epaper.dehatsandesh.com

3 राजौरी में जागरूकता अभियान के साथ राष्ट्रीय दलहन दिवस मनाया

5 लीजेंड लीग पर आग बरसा रहा शिखर का बल्ला

8 पशुपालन एक उभरता हुआ व्यवसाय

न्यूनतम 8

मौसम जम्मू

अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-42 | जम्मू तवी, वीरवार 13 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

सहकारिता के जरिये रोजगार सृजन व ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि संभवः शाह

नई दिल्ली, 12 फ़रवरी । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि सहकारिता के माध्यम से रोजगार सृजन और ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि दोनों संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर सहकार से समृद्धि का मंत्र दिया है।

उन्होंने आज यहां %सहकारी समितियों को सशव त करने के लिए की गई और वर्तमान में की जा रही पहलें% विषय पर सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह अभिमत व्यक्त किया। बैठक में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल और मुरलीधर मोहोल, समिति के सदस्यों, केंद्रीय सहकारिता सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद परामर्शदात्री समिति की यह पहली बैठक है।अमित शाह ने कहा कि केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद हमने सबसे पहले राज्यों के साथ मिलकर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का डेटाबेस बनाने का काम किया और दो लाख पैक्स के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित करने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब देशभर की सहकारी समितियों की क्षेत्रवार जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध है। शाह ने कहा कि पैक्स के कंप्यूटरीक्रण के लिए कदम उठाये गये। उन्होंने कहा कि आने वाले

समय में देश की एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां पैक्स उपलब्ध नहीं हों।उन्होंने कहा कि पैक्स को व्यावहारिक बनाने के लिए बनाए गये उपनियमों को देश के लगभग सभी राज्यों ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि पैक्स को 20 से अधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है और अब वे कॉमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केन्द्र सहित अन्य सेवाएं प्रदान करना शुरू कर चुकी हैं।अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने मौजूदा बजट सत्र में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के गठन के लिए विधेयक पेश किया है और जल्द ही संसद से पारित होगा। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के गठन से सहकारी क्षेत्र में आने वाले पेशेवरों को तकनीकी शिक्षा, एकाउंटिंग और प्रशासन संबंधी जानकारी और प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे सहकारी क्षेत्र में प्रशिक्षित मेनपावर उपलब्ध हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल), राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (एनसीओएल) और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) जैसी सहकारी संस्थाओं का गठन किया गया है, जिससे सहकारी क्षेत्र में निर्यात, ऑर्गेनिक उत्पादों और उन्नत बीजों को बढ़ावा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से आगामी कुछ वर्षों में सहकारी क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा।अमित शाह ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि कोऑपरेटिव सेक्टर को कॉर्पोरेट सेक्टर के समान ही अवसर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक और आयकर विभाग के साथ मिलकर कॉर्पोरेट सेक्टर और कोऑपरेटिव सेक्टर के लिए टैक्स संरचना को एकसमान बनाने के लिए कदम उठाये हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के सहकारिता क्षेत्र से जुड़े उद्यम कॉर्पोरेट जगत के साथ स्पर्धा के साथ आगे बढ़ेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करेंगे।

शाह ने परामर्शदात्री समिति को बताया कि सहकारिता से जुड़े राष्ट्रीय फेडरेशनों के त्वरित विकास के लिए कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको), इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और अन्य फेडरेशनों के साथ रोडमैप बनाने पर कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि आज के समय में पैक्स रेलवे टिकटों की बुकिंग का काम कर रहे हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही पैक्स भी एयरलाइंस टिकटों की बिक्री कर सकेंगे।

मोदी और मैक्रों ने की रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा

मार्सिले (फ्रांस), 12 फरवरी ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष के रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की तथा प्रौद्योगिकी एवं नवान्वेषण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया।

पेरिस में एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद दोनों नेताओं ने एक ही विमान में मार्सिले के लिए एक साथ उड़ान भरी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के पूर्ण स्पेक्ट्रम पर चर्चा की। इसके बाद मार्सिले पहुंचने के बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझीदारी के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो पिछले 25 वर्षों में लगातार बहुआयामी संबंधों में विकसित हुई है।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां कहा कि बैठक में भारत-फ्रांस रणनीतिक साझीदारी के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। दोनों नेताओं ने रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष के रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। साझीदारी का यह क्षेत्र हाल ही में संपन्न एआई एक्शन समिट और 2026 में आगामी भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष की पृष्ठभूमि में अधिक प्रासंगिक हो गया है। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने का भी आह्वान किया और इस संबंध में 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम की रिपोर्ट का स्वागत किया।

श्री मोदी और श्री मैक्रों ने स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यटन, शिक्षा और लोगों से लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र में चल रहे सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

सिख समुदाय ने सज्जन कुमार के दोषी सिद्ध होने का किया स्वागत

नयी दिल्ली 12 फरवरी । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगे के मामले में पूर्व सांसद सज्जन कुमार को दोषी ठहराए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए संतोष और प्रसन्नता जाहिर की है।

समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलो ने यहां कहा कि 41 साल बाद आया यह फैसला सिख समुदाय के लिए बहुत बड़ी राहत है। उन्होंने कहा कि समिति अदालत के फैसले का स्वागत करती हैं और अपील करते हैं कि दोषी को फांसी की सजा सुनाई जाए।

उन्होंने कहा कि यह बहुत शर्मनाक बात है कि समय-समय की सरकारों ने सिख समुदाय को न्याय देने के बजाय, दोषियों को सम्मानित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का धन्यवाद किया, जिन्होंने बंद पड़े मामलों की नए सिरे से जांच के लिए एसआईटी का गठन किया।

समिति के पूर्व अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और राजौरी गार्डन के नवनिर्वाचित विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने विशेष जांच दल के गठन को लेकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का आभार व्यक्त किया।

पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

पुंछ, 12 फरवरी। पाकिस्तानी सेना ने पुंछ में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है, जिसके बाद भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की है।

बुधवार शाम को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने समाचार मिला है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तानी सैनिकों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की जिसके बाद भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

भारतीय पक्ष में किसी के हताहत होने या नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

बतादें कि मंगलवार को जम्मू जिले की नियंत्रण रेखा पर अखनूर सेक्टर में एक संदिग्ध आईईडी विस्फोट में दो सैनिकों बलिदान हो गए थे। पिछले कुछ दिनों से पुंछ जिले की नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान प्रयोजित आतंकियों द्वारा घुसपैठ की कोशिशें की जा रही हैं, जिसे सुरक्षाबल लगातार नाकाम बना रहे हैं।

जंग लगा मोर्टार शेल बरामद

पुंछ, 12 फरवरी। सेना के जवानों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास से जंग लगा मोर्टार शेल बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि मोर्टार शेल मेंढर सब-डिवीजन के मनकोट सेक्टर में एक खुले इलाके में पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि सेना ने इलाके की घेराबंदी कर दी और उसके बाद विशेषज्ञों ने मोर्टार शेल को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया।

तेंदुए के हमले में 16 भेड़ों की मौत

बडगाम, 12 फरवरी। बडगाम के खानसाहिब इलाके के शमसाबाद में तेंदुए के हमले से एक स्थानीय किसान को भारी नुकसान हुआ है। इस हमले में मोहम्मद रमजान भट ने अपनी 16 भेड़ें खो दीं हैं। भट अपनी भेड़ों के झुंड की रक्षा करने की कोशिश कर रहा था जबिक वह स्वयं तेंदुए से बाल-बाल बचा जो हमले के बाद भाग गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि यह नुकसान किसान के लिए एक बड़ा वित्तीय झटका है और अधिकारियों से उसे उबरने में मदद करने के लिए मुआवजा देने का आग्रह किया। क्षेत्र के निवासियों ने वन्यजीव विभाग से तत्काल हस्तक्षेप करने और आगे के हमलों को रोकने के लिए तेंदुए को पकड़ने का आह्वान किया है। वह समुदाय और वन्यजीवों दोनों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देते हैं। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा यह पहली ऐसी घटना नहीं है और हमें अपनी सुरक्षा को लेकर डर है

उपराज्यपाल को सुरक्षा समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना चाहिए था : नासिर असलम

श्रीनगर, 12 फरवरी । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने बुधवार को कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को सुरक्षा समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को आमंत्रित करना चाहिए था। सलाहकार नासिर वानी ने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर कानून-व्यवस्था की चिंता कर रहे हैं। लेकिन मुख्य रूप से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को आमंत्रित किया जाना चाहिए था क्योंकि उन्हें कानून-व्यवस्था और क्षेत्र की सुरक्षा से निपटने का व्यापक अनुभव है लेकिन फिर भी उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया। बता दें कि उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर मनोज सिन्हा आज पीसीआर कश्मीर में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं जिसमें पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी भाग ले रहे हैं

आतंकवाद का समर्थन और वित्तपोषण करने वालों को बहुत भारी कीमत चुकानी होगी : एलजी

श्रीनगर 12 फरवरी।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कश्मीर संभाग में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा हेतु श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डीजीपी जम्मू-कश्मीर नलिन प्रभात, एडीजीपी मुख्यालय एम.के. सिन्हा, एडीजीपी सीआईडी नीतीश कुमार, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी, आईजीपी कश्मीर विधि कुमार बर्डी, आईजीपी अपराध डॉ. सुनील गुप्ता, आईजीपी सुरक्षा सुजीत कुमार, आईजीपी रेलवे विवेक गुप्ता, रेंज डीआइजी, एसएसपी, एपी/आईआर बटालियन के कमांडेंट और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विभिन्न अन्य वरिष्ठ अधिकारी, व्यक्तिगत रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से षामिल हुए। डीजीपी ने अध्यक्ष को घाटी के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य और जोनल, रेंज और जिला स्तर पर उग्रवाद, कानून और व्यवस्था, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, आतंकवादी भर्ती आदि जैसी विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार किए गए रोडमैप के बारे में जानकारी दी। आईजीपी कश्मीर ने कश्मीर क्षेत्र की चुनौतियों और उपलब्धियों तथा भविष्य के लिए रणनीतिक दूरदर्शिता पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी। उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर

पुलिस के विभिन्न विंगों के कामकाज का मूल्यांकन किया और विशेष रूप से यूएपीए और एनडीपीएस से संबंधित अपराध संबंधी प्रदर्शन सूचकांकों के संबंध में अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उपराज्यपाल ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और इसके विभिन्न विंगों के प्रमुखों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने और आतंकवाद और आतंकवादियों को सहायता देने वाले लोगों को कुचलने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने कहा, फ्माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जम्मू कश्मीर शांति, प्रगति और समृद्धि के युग का गवाह बन रहा है। मुझे जम्मू कश्मीर को आतंक मुक्त बनाने के लिए आपकी वीरता, प्रभावी, केंद्रित उपायों और बेहतर संस्थागत व्यवस्थाओं पर पूरा भरोसा है।

आतंकवाद के खात्मे के लिए लोगों का समर्थन जरूरी : फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 12 फरवरी । नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि भले ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाए लेकिन आतंकवाद खत्म नहीं होगा और इसके लिए लोगों के समर्थन की जरूरत है।

पत्रकारों से बात करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य का दर्जा देने का मुद्दा कई सालों से है। उन्होंने कहा कि भले ही राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाए और हमें सब कुछ मिल जाए लेकिन क्या लोगों को लगता है कि इससे यहां आतंकवाद खत्म हो जाएगा। जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि यहां आतंकवाद खत्म हो गया है, उनसे पूछिए कि यह अभी भी है या नहीं।

उन्होंने कहा कि कल ही इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में दो जवान मारे गए। यह कहां से आया? हमें जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए लोगों की मदद की जरूरत है। अब समय आ गया है कि हमें शांति स्थापित करनी चाहिए। यहां केवल शांति ही कुछ कर सकती है। हमारे बच्चे बेरोजगार हैं। जब शांति नहीं है तो इन मुद्दों का

समाधान कैसे हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन दिल्ली विधानसभा चुनाव में अलग नतीजे ला सकता था।

उन्होंने कहा कि भारत गठबंधन की भावना अभी भी वही है। लेकिन दिल्ली में कुछ गलतियां हुई हैं। अगर आप और कांग्रेस के बीच उचित समझ होती तो नतीजे अलग हो सकते थे। हमें मिलना चाहिए और इन मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में आठ सीएओ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

जम्मू, 12 फरवरी। सरकार ने जम्मू-कश्मीर में विभिन्न विभागों में आठ मुख्य लेखा अधिकारियों (सीएओ) को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

एक आदेश के अनुसार मुख्य अभियंता सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण कश्मीर में सीएओ बेलाल अहमद बिलाल अफशा मेहराज काक के छुट्टी से लौटने तक क्लस्टर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के सीएओ का भी प्रभार संभालेंगे।

क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू के सीएओ नागेश जामवाल को अगले आदेश तक एमआरडीए जम्मू के सीएओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। नगर परिषद रामबन में लेखा अधिकारी समीर-उल-रहमान अगले आदेश तक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डोडा के खातों की देखरेख भी करेंगे। श्रीनगर के उप निदेशक स्थानीय निधि लेखा परीक्षा एवं पेंशन के लेखा अधिकारी जुबैर सुल्तान इम्तियाज अहमद के छुट्टी से लौटने तक एसएसपी श्रीनगर के लेखा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। राहुल महाजन जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड में लेखा अधिकारी के रूप में तैनात हैं को जम्मू-कश्मीर महिला विकास निगम में लेखा अधिकारी के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। हितेश कुमार चौधरी सूचना निदेशालय जम्मू-कश्मीर में लेखा अधिकारी जम्मू-कश्मीर आवास बोर्ड के खातों को भी संभालेंगे। आमिर काजी महानिदेशक अभियोजन जम्मू-कश्मीर में लेखा अधिकारी जम्मू-कश्मीर चिकित्सा आपूर्ति निगम लिमिटेड में लेखा अधिकारी के रूप में अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। मोहम्मद अयूब मीर आर्थिक पुनर्निर्माण एजेंसी जम्मू-कश्मीर में लेखा अधिकारी को जम्मू-कश्मीर परियोजना निर्माण निगम कश्मीर में लेखा अधिकारी के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

जम्मू और कश्मीर की स्वास्थ्य सेवा को बदलना सरकार की प्राथमिकता :सकीना

श्रीनगर, 12 फरवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने बुधवार को एक्स हैंडल के माध्यम से घोषणा की कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों के वेतन जारी करने के निर्देश जारी किए हैं।

अपने एक्स हैंडल का उपयोग करते हुए इटू ने कहा कि जम्मू और कश्मीर सरकार स्वास्थ्य कर्मियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों के वेतन जारी करने के निर्देश पारित किए हैं। सरकार स्वास्थ्य कर्मियों के कल्याण और उनकी अमूल्य सेवाओं के लिए समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पहले एनएचएम कर्मचारियों ने वेतन में देरी पर चिंता जताई और सरकार से जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करने का आग्रह किया। मंत्री ने यह बात इंदिरा गांधी सरकारी डेंटल कॉलेज, जम्मू में वार्षिक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए की। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने समाज पर चिकित्सा शिक्षा के महत्वपूर्ण महत्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में दंत चिकित्सा पेशेवरों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, चिकित्सा एक बहुत ही महान पेशा है क्योंकि यह सीधे तौर पर जन उन्होंने कहा कि समाज की भलाई को आकार देने में चिकित्सा पेशेवरों की बहुत सक्रिय भूमिका है।

छह दिन बीत जाने के बाद भी नहीं हटाया गया राजमार्ग से दुर्घटनाग्रस्त टैंकर

कठुआ 12 फरवरी । बीते 06 दिनों से जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग खरोट मोड़ के सामने पलटे एक टैंकर को आज तक हटाने की ना तो यातायात पुलिस ने जहमत की है और ना ही कठुआ पुलिस ने इस पर कोई संज्ञान लिया है। जिसका खामियाजा आनजाने वाले यात्रियों को लंबे जाम में फंसकर भुगतना पड़ रहा है।

एक तरफ कठुआ पुलिस और जिला प्रशासन आम जनमानस की समस्याओं को हल करने के लिए थाना दिवस और ब्लॉक दिवस जैसे कई सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं लेकिन खुद अपने ही जिम्मेवारी से पीछे हटते नजर आते हैं। जिसकी जीती-जागती तस्वीर खरोट मोड़ के सामने एक सप्ताह से सड़क के बीचो-बीच दुर्घटनाग्रस्त पड़ा टैंकर है। गौरतलब हो कि बीते दिनों जम्मू पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग खरोट मोड़ के सामने पीबी03बीबी-8369 नंबर का एक टैंकर राष्ट्रीय राजमार्ग के बीचो-बीच

दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके बाद मौके पर पहुंची कठुआ पुलिस ने टैंकर में फंसे चालक का रेस्क्यू कर उपचार के लिए जीएमसी कठुआ पहुंचाया था। लेकिन हैरानगी की बात यह है कि पूरे 06 बीत जाने के बाद ना तो ट्रैफिक पुलिस ने इसे हटाने का कोई प्रयास किया और ना ही टैंकर मालिक ने इसे हटाने की कोशिश की और एक सप्ताह से टैंकर राष्ट्रीय राजमार्ग के बीचो-बीच गिरा हुआ है। हालांकि हटली पुलिस ने इसे हटाने का प्रयास किया लेकिन नतीजा शुन्य। जिसकी वजह से पिछले एक सप्ताह से खरोट मोड के समीप लंबा जाम लग रहा है।

किसी भी आतंकी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: सत शर्मा

जम्मू, 12 फ़रवरी। जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा ने एलओसी के पास दो जवानों की जान लेने वाले आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के इशारे पर भारतीय धरती पर लगातार हो रहे हमलों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिवालिया होने की कगार पर पहुंच चुके देश को आतंकी घटनाओं पर निर्भर रहने से पहले अपने मासूम नागरिकों का पेट पालने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में अपनाने से वह देश बर्बादी और विघटन की ओर बढ़ जाएगा। शहीद जवानों के परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए सत शर्मा ने जोर देकर कहा कि वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान की गाथा लिखी है और उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरा देश उनकी बहादुरी के लिए उन्हें सलाम करता है। मोदी सरकार आतंकी घटनाओं के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाती है। सत शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्र प्रथम की नीति का अक्षरशः पालन करेगा और सीमा पार से दुश्मन द्वारा बहाए गए खून की हर बूंद का बदला

कठोरता से लेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि मजबूत भारतीय बलों का मनोबल ऊंचा है और उनके पास बाहरी और आंतरिक खतरों से निपटने की पूरी क्षमता है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें मोदी सरकार का पूरा समर्थन प्राप्त है और भारत की संप्रभुता, अखंडता या शांतिपूर्ण अस्तित्व को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाली किसी भी ताकत को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मन से हो जाएं मुक्त

इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं हैं, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन के भर देता है।

मैं आपके हाथ जीवनभर सुखी रहने की चाबी थमा देती हूं, अगर आप उसे ठीक से संभाल सको, तो कृपया संभाल लेना। चाबी यही है कि जब-जब आपका मन ठहर जाएगा, वहीं पर आपको सच्चा सुख और आनंद मनाने का मौका मिलता है। और जब भी आपका मन अस्थिर रहेगा, आपको दुख, तनाव और चिंताएं घेर लेती हैं। तब आप उन चीजों की तलाश में दर-दर भटकते फिरते हैं, जिन चीजों से आपको लगता है कि सुख मिलेगा। जब आपको अपनी मनचाही चीज मिल जाती है, तब अचानक थोड़ी देर के लिए आपका मन ठहर जाता है। जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही आनंद में मग्न हो जाते हैं। थोड़ी देर बाद वह चीज तो वहीं पर पड़ी रह जाती है, और आपका मन सुख की तलाश में किसी और चीज की तरफ आकर्षित हो जाता है। पर जब आपको थोड़ी देर सुख मिला था, वह इसलिए कि आपका मन उस समय ठहर गया था।

हर क्षण जब आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही भीतर सुख का अनुभव करते हैं। इस मन को ठहराने का तरीका है आपकी श्वसन क्रिया में। जैसे ही आप अपनी श्वसन क्रिया को शांत करते हैं, आपका मन ठहरने लगता है और जब भी मन ठहर जाता है, आप स्वत- सुख का अनुभव करते हो। बाह्य जगत में हमें सुख पाने के लिए वस्तुओं और व्यक्तियों का गुलाम बनना पड़ता है। लेकिन अपने श्वासों को शांत करके अपने ही भीतर मिलने वाले असीम आनंद को पाने में हम अत्यंत स्वतंत्र महसूस कर सकते हैं।

- आनंदमूर्ति गुरुमां

श्वासों को शांत करने से वहीं और उसी क्षण जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आपका सुख आपको तुरंत मिल जाता है। उसके लिए इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन को भर देता है। पर अपने ही भीतर के इस चैतन्य के प्रकाश को आप कैसे देख पाएंगे? सच तो यह है कि जैसे ही आप अपने भीतर उसे देखने में कामयाब हो जाएंगे, जल्दी ही आप बाहर भी उसे देखने लग जाएंगे। लेकिन ज्ञान के बिना आप इस प्रकाश को नहीं देख सकेंगे। प्रश्न यह उठता है कि अगर परमात्मा मेरे ही हृदय में विराजमान हैं, तो उसके लिए मैं क्यों प्यासा हूं? इस मन के अधिष्ठान में परमात्मा ही है, परमात्मा ही आपके मन का सर्वस्व है। फिर भी आपका मन उसके लिये तड़पता है।

कबीर कहते हैं, 'जल विच मीन पियासी, मोहे देखत आवे हासी' यानी पानी में रह कर भी मछली पानी के बिना प्यासी है। आपके मन का अधिष्ठाता परमात्मा है। आप परमात्मा में ही रहते हैं, फिर भी आप परमात्मा से वंचित रहते हैं, दुखी होते हैं और अपने आपको हजार चीजों में उलझाये रखते हैं। जब आपका मन ठहर जाता है, उसी क्षण उस प्यारे के प्रेम की बरसात आपके दिल में होने लगती है। मन को श्वसन क्रिया की अलग-अलग विधियों द्वारा ठहराया जा सकता है, जिससे आपके हृदय के उपवन में परमात्मा के असीम प्रेम की बरसात होने लगती है। अपने आसपास की ध्वनियों को सुनें, उन्हें आत्मसात करें, अपने श्वास में पिरोएं। आपके अंदर जब प्रेम भरने लगेगा, आप खुद अपने आपको मुक्त पाएंगे। परमात्मा के साथ अपना एकाकार करने के लिए बस आपको अपने अंदर की ध्वनि सुननी होगी, अपने श्वासों के माध्यम से। आप दुख और सुख में एकलीन हो जाएं। कुछ समय बाद आप ना दुख को महसूस करेंगे ना सुख को। बल्कि चौबीसों घंटे एक अलग दुनिया में विचरण करेंगे। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए योगी, साधू और तपस्वी ना जाने क्या-क्या जतन करते हैं।

परमात्मा को क्या चाहिए? यह सवाल अपने आप से भी जानिए कि आपको क्या चाहिए? जल आपके पास है, वायु आपके पास है, धरती आपके समीप है। इससे अधिक क्या? मोह की मुक्ति की शुरुआत अपने भीतर से करिए। श्वास को आते-जाते महसूस कीजिए और कल्पना कीजिए कि आप मुक्त हो रहे हैं दुखों से, छल-कपट और निष्ठुरता से। यही है सुख की चाबी। दुखों से मुक्ति सुख नहीं है। मुक्ति को पाना और समीप से महसूस करना ही असली सुख है।

जब देवताओं ने ली हनुमानजी के बल और बुद्धि की परीक्षा

हनुमानजी को आकाश में बिना विश्राम लिये लगातार उड़ते देखकर समुद्र ने सोचा कि ये प्रभु श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा करने के लिए जा रहे हैं। किसी प्रकार थोड़ी देर के लिये विश्राम दिलाकर इनकी थकान दूर करनी चाहिए। उसने अपने जल के भीतर रहने वाले मैनाक पर्वत से कहा, मैनाक! तुम थोड़ी देर के लिये ऊपर उठकर अपनी चोटी पर हनुमानजी को बिठाकर उनकी थकान दूर करो। समुद्र का आदेश पाकर मैनाक प्रसन्न होकर हनुमानजी को विश्राम देने के लिये तुरंत उनके पास आ पहुंचा। उसने उनसे अपनी सुंदर चोटी पर विश्राम के लिये निवेदन किया। उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, मैनाक! तुम्हारा कहना ठीक है, लेकिन भगवान श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा किये बिना मेरे लिये विश्राम करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। ऐसा कहकर उन्होंने मैनाक को हाथ से छूकर प्रणाम किया और आगे चल दिये।

हनुमानजी को लंका की ओर प्रस्थान करते देखकर देवताओं ने सोचा कि ये रावण जैसे बलवान राक्षस की नगरी में जा रहे हैं। इनके बल बुद्धि की विशेष परीक्षा कर लेना इस समय आवश्यक है। यह सोचकर उन्होंने नागों की माता सुरसा से कहा, 'देवी सुरसा! तुम हनुमान के बल बुद्धि की परीक्षा लो। देवताओं की बात सुनकर तुरंत सुरसा एक राक्षसी का रूप धारण कर हनुमानजी के सामने जा पहुंची। उसने उनका मार्ग रोकते हुए कहा, वानरवीर! देवताओं ने आज मुझे तुमको अपना आहार बनाने के लिये भेजा है।

उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, माता! इस समय मैं प्रभु श्रीरामंचद्रजी के कार्य से जा रहा हूं। उनका कार्य पूरा करके मुझे लौट आने दो। उसके बाद मैं स्वयं ही आकर तुम्हारे मुंह में प्रविष्ट हो जाउंगा। इस समय तुम मुझे मत रोको, यह तुमसे मेरी प्रार्थना है। इस प्रकार हनुमानजी ने सुरसा से बहुत प्रार्थना की, लेकिन वह किसी प्रकार भी उन्हें जाने नहीं दे रही थी। अंत में हनुमान जी ने क्रुद्ध होकर कहा, 'अच्छा तो लो तुम मुझे अपना आहार बनाओ। उनके ऐसा कहते ही सुरसा अपना मुंह सोलह योजन तक फैलाकर उनकी ओर बढ़ी। हनुमानजी ने तुरंत अपना आकार उसका दूना अर्थात् 32 योजन तक बढ़ा लिया।

इस प्रकार जैसे जैसे वह अपने मुख का आकार बढ़ाती गयी, हनुमानजी अपने शरीर का आकार उसका दूना करते गये। अंत में उसने अपना मुंह फैलाकर 100 योजन तक चौड़ा कर लिया। तब हनुमानजी तुरंत अत्यंत छोटा रूप धारण करके उसे उस 100 योजन चौड़े मुंह में घुसकर तुरंत बाहर निकल आये। उन्होंने आकाश में खड़े होकर सुरसा से कहा, माता! देवताओं ने तुम्हें जिस कार्य के लिए भेजा था, वह पूरा हो गया है। अब मैं भगवान श्रीरामंचद्रजी के कार्य के लिए अपनी यात्रा पुनः आगे बढ़ाता हूं। सुरसा ने तब उनके सामने अपने असली रूप में प्रकट होकर कहा, महावीर हनुमान! देवताओं ने मुझे तुम्हारे बल बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए यहां भेजा था। तुम्हारे बल बुद्धि की समानता करने वाला तीनों लोकों में कोई नहीं है। तुम शीघ्र ही भगवान श्रीरामचंद्रजी के सारे कार्य पूर्ण करोगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। ऐसा मेरा आशीर्वाद है।

गाय रखकर कर सकते हैं वास्तु दोषों का निवारण

गाय का भारतीय संस्कृति में विशिष्ट स्थान है। यह सदा से भारतीय जन-जीवन की धुरी रही है। प्राचीन काल में हमारे देश में सर्वाधिक सम्पन्नता के स्तर का मापक गाय ही हुआ करती थी। देशी-विदेशी चिकित्सा प्रणालियों में गाय की बड़ी महिमा है। पुराणों के अनुसार गाय में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का निवास है। गाय को भी देवता के समान माना गया है। गर्ग संहिता के अनुसार नौ लाख गाय रखने वाले को नंद, पांच लाख गायों के मालिक को उपनंद। दस लाख गाय वला 'वृषभानु' एंव एक करोड़ गायों को पालक को 'नंदराज' कहा जाता था। श्रीकृष्ण का नाम आते ही उनके चारों ओर गाय-बछड़ों एवं गोप-ग्वालों का चित्र हमारे मानस पटल पर आ जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार गायों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

- गोदुग्ध पीने से हमें सतत शक्ति एवं स्फूर्ति मिलती है। गोमूत्र सेवन से शरीर रोगमुक्त होता है।
- जिस स्थान पर भवन या घर का निर्माण करना हो तो यदि वहां बछड़े वाली गाय को बांधा जाए तो वहां वास्तु दोषों का निवारण हो जाता है। कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आती।
- ज्योतिष में गोधूली का समय विवाह के लिए सर्वोतम माना गया है। जब गायें जंगल से चरकर वापस घर आती है उस समय को गोधूली वेला कहते हैं।
- यात्रा के समय गाय सामने पड़ जाए तो यात्रा सफल होती है।
- किसी भी जन्मपत्री में सूर्य नीच राशि तुला पर हो या अशुभ स्थिति में हो अथवा केतु द्वारा परेशानियां आ रही हो तो गाय की पूजा करनी चाहिए, दोष समाप्त होंगे।
- विष्णु पुराण में कहा गया है जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गये तो नन्द दम्पनी ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया।
- संतान लाभ के लिए गाय की सेवा का अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण के अनुसार गाय की सेवा करने वालों को यम का भय नहीं रहता।
- आयुर्वेद में गाय के घी को आयु कहा गया है। गाय का घी सेवन करने वाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- गोमूत्र में कार्बोलिक एसिड होता है जो कीटानाशक है और शुद्धता बढ़ाता है। इसमें स्वर्णक्षर मौजूद रहता है जो अति उपयोगी रसायन है।
- गाय भारतीय कृषि का आधार है। बिगड़ी भूमि को सुधारने एवं उर्वराशक्ति को बढ़ाने के लिए गोबर का उपयोग हजारों वर्षों से खेती के लिए किया जा रहा है।
- गोमूत्र में सोलह प्रकार के खनिज तत्व होते हैं जो शरीर के रक्षण, पोषण और विकास में सहायक है। इसके समुचित सेवन से रोग-रोधक शक्ति बढ़ती है। शरीर शक्तिशाली एवं चेतनायुक्त होता है।
- गाय के सींगों का बनावट पिरामिड जैसा होता है। वह एक शक्तिशाली एंटीना के रूप में कार्य करती ह। सींगों की मदद से गाय आकाशीय ऊर्जाओं को शरीर में संचित कर लेती है। वहीं ऊर्जा हमें गोमूत्र, दूध ओर गोबर द्वारा मिलता है।

गाय के दूध में कैरोटीन नामक पदार्थ भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है। भैंस का दूध गर्म करने पर उसके सर्वाधिक पोषक तत्व मर जाते हैं। जबकि गाय का दूध गर्म करने का भी वैसे ही पोषक तत्व विद्यमान रहते हैं।

- देशी गाय पूर्णतय शाकाहारी पशु है जबकि जरसी गाय मांसाहारी जंगली पशु है। जरसी गाय के भोजन में मांस का टुकड़ा मिला दिया जाए तो बड़े चाव से खा जाती है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार भारतीय गोवंश का उद्गम जंगल से नहीं बल्कि समुद्र मंथन से प्राप्त गोमाताओं से है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भारतीय गोवंश का मूल स्रोत 'औरक्तस' नामक पशु है जिसने 18 लाख वर्ष पूर्व भारत में जन्म लिया था।
- क्रासबीडिंग करना अथवा विदेशी गायों की ओर देखना छोड़कर हमें अपनी भारतीय नस्ल की गायों को उचित महत्व देना चाहिए।
- गौमाता की कृपा से गोभक्तों का आगामी वंश भी संस्कारवान होता है। गोसेवा करने वाला निश्चिंत रहता है। किसी ने ठीक लिखा है-

जा घर होय तुलसी अरू गाय।
ता धर वैद्य कबहुं नहीं जाए।।

मात्र 11 दिन में खुशी से झोली भर देंगे गणेशजी के यह 3 मंत्र

गणेशजी के यह 3 विलक्षण अमोघ मंत्र

भगवान श्री गणेश अप ने हर रूप में प्रसन्नता और खुशियों का वरदान देते हैं। उनकी हर आराधना फलदायक होती है। वह सौभाग्य और मंगल के प्रदाता हैं। आइए जानते हैं उनके 3 ऐसे चमत्कारी मंत्र जो विधिवत करने पर मात्र 11 दिन में जीवन बदल देने की क्षमता रखते हैं।

मंत्र 1 : गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुंडाय धीमहि तन्नो बुद्धि प्रचोदयात।।

यह गणेश गायत्री मंत्र है। इस मंत्र का 11 दिन शांत मन से 108 बार जप करने से गणेशजी की विशिष्ट कृपा होती है। गणेश गायत्री मंत्र के जप से व्यक्ति का भाग्य चमक जाता है और हर कार्य अनुकूल सिद्ध होने लगता है।

मंत्र 2 : तांत्रिक गणेश मंत्र

ॐ ग्लौम गौरी पुत्र, वक्रतुंड, गणपति गुरू गणेश।
ग्लौम गणपति, ऋद्धि पति, सिद्धि पति। करों दूर क्लेश।।

11 दिन तक इस मंत्र का 108 बार जाप करने व्यक्ति के जीवन के सारे क्लेश समाप्त होते हैं। धन, धान्य, संपत्ति, समृद्धि, खुशियां, वैभव, पराक्रम, विद्या और शांति की प्राप्ति होती है। लेकिन इस मंत्र के प्रयोग के समय व्यक्ति को पूर्ण सात्विकता रखनी होती है और क्रोध, मांस, मदिरा, परस्त्री संबंधों से दूर रहना होता है।

मंत्र 3 : गणेश कुबेर मंत्र

ॐ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।

यह मंत्र अपार लक्ष्मी देने वाला है। गणेशजी की पूजा करने के बाद गणेश कुबेर मंत्र का 11 दिन तक नियमित रूप से जाप करने से व्यक्ति को धन के नवीन स्त्रोत मिलना आरंभ होते हैं। जीवन में खुशियां दस्तक देने लगती है।

वेद, विज्ञान और पुराणों से जानिए शंख की महिमा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लेख मिलता है कि 'शंख' चंद्रमा और सूर्य के समान ही देव हैं। शंख के मध्य में वरुण, पीछे के भाग में ब्रह्मा और आगे के भाग में गंगा और सरस्वती का निवास है।

शंख निधि (धन का खजाना) का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस मंगलचिह्न को घर के पूजास्थल में रखने से अनिष्टों का नाश होता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

शंख का महत्व जितना धार्मिक है उतना ही वैज्ञानिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि शंख-ध्वनि के प्रभाव में सूर्य की किरणें बाधक होती हैं। इससे आसपास का वातावरण तता पर्यावरण शुद्ध रहता है।

आयुर्वेद के अनुसार शंखोदक भस्म से पेट की बीमारियां अमूमन पीलिया, यकृत के रोग, पथरी आदि रोग ठीक होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि मूक एवं श्वास रोगी हमेशा शंख बजायें तो बोलने की शक्ति पा सकते हैं। ऋषि श्रृंग की मान्यता है कि छोटे-छोटे बच्चों के शरीर पर छोटे-छोटे शंख बांधने तथा शंख में जल भरकर अभिमंत्रित करके पिलाने से वाणी-दोष नहीं रहता है।

यजुर्वेद में कहा गया है कि 'यस्तु शंखध्वनि कुर्यात्पूजाकाले विशेषतः, वियुक्तः सर्वपापेन विष्णुनां सह मोदते' यानी पूजा के समय जो व्यक्ति शंख-ध्वनि करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और वह भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाता है।

मुगल काल के मशहूर संगीतज्ञ तानसेन ने अपने आरंभिक दौर में शंख बजाकर ही गायन शक्ति प्राप्त की थी। अथर्ववेद के चतुर्थ अध्याय में शंखमणि सूक्त में शंख की महिमा का वर्णन मिलता है। अथर्ववेद के अनुसार, शंख से राक्षसों का नाश होता है। भागवत पुराण में भी शंख का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यजुर्वेद के अनुसार युद्ध में शत्रुओं का दिल दहलाने के लिए शंख फूकने का वर्णन मिलता है।

गोरक्षा संहिता, विश्वामित्र संहिता, पुलस्त्य संहिता आदि ग्रंथों में दक्षिणावर्ती शंख को आयुर्वद्धक और समृद्धि दायक कहा गया है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, पूजा के समय शंख में जल भरकर देवस्थान में रखने और उस जल से पूजन सामग्री धोने और घर के आस-पास छिड़कने से वातावरण शुद्ध रहता है।

विष्णु पुराण के अनुसार माता लक्ष्मी समुद्र राज की पुत्री हैं तथा शंख की उत्पत्ति भी समुद्र से हुई है, इसलिए शंख उनके भाई है। मान्यता है कि जहां शंख है, वहीं लक्ष्मी जी का वास होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई गुरु रविदास जयंती

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। गंग्याल सेक्टर-2 स्थित गुरु रविदास मंदिर में उनकी जयंती पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर को गुब्बारों और फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर गुरु रविदास जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जम्मू नगर निगम के पूर्व चेयरमैन और जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सतीश शर्मा ने भी मंदिर में मत्था टेका और संगत के साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु रविदास जी ने भक्ति आंदोलन के दौरान समाज को एकता, समरसता और मानवता की सेवा का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करती हैं।

राजौरी में जागरूकता अभियान के साथ राष्ट्रीय दलहन दिवस मनाया

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय दलहन दिवस मनाते हुए भारतीय सेना ने सरकारी मिडिल स्कूल, मोरियां में छात्रों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आहार और कृषि में दालों के महत्व को उजागर किया। इस पहल का उद्देश्य दालों की खेती को बढ़ावा देना, किसानों को बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना और दालों के उत्पादन में अनुसंधान पर जोर देना था।

इस सत्र में स्थानीय किसानों और महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की जिन्होंने दालों की खेती और इसके लाभों पर चर्चा की। उनके उत्साह का उत्साहवर्धन किया गया जिससे विचारों के सहयोगात्मक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम का समापन मुख्तियार अहमद के समापन भाषण के साथ हुआ जिन्होंने जागरूकता फैलाने के प्रयासों के लिए भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एक समूह तस्वीर भी खींची गई जिसमें सेना और स्थानीय समुदाय के बीच एकता और सहयोग की भावना को दर्शाया गया।

लड़कियों के लिए करियर जागरूकता सत्र आयोजित किया

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। युवा महिलाओं को करियर मार्गदर्शन और आत्मनिर्भरता के साथ सशक्त बनाने के लिए भारतीय सेना ने हाई स्कूल, कुंडल में जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में विभिन्न करियर अवसरों के बारे में शिक्षित करना था जिसमें शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया गया। सत्र के दौरान छात्रों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और स्वरोजगार पहलों सहित उपलब्ध करियर पथों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इंटरैक्टिव चर्चा ने प्रतिभागियों को उनकी रुचियों और क्षमताओं के अनुकूल विभिन्न करियर विकल्पों पर स्पष्टता प्राप्त करने की अनुमति दी। कुल 30 लड़कियों और छह शिक्षकों ने सत्र में भाग लिया जिन्होंने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में भारतीय सेना के निरंतर प्रयासों की सराहना की। स्कूल अधिकारियों ने इस पहल को महिलाओं के लिए आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम के रूप में स्वीकार किया, जो क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और प्रगति में योगदान देता है।

एसएमवीडीयू के पूर्व छात्र ने इनोस्पार्क के लिए 1.75 लाख रूपये का दान दिया

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) चेनाब वैली एग्रो एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक धनंजय सिंह (बी.टेक., मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 2014 बैच) ने विश्वविद्यालय को उदार योगदान दिया है जिन्होंने आगामी इनोस्पार्क 2025 कार्यक्रम के लिए एसएमवीडीयू प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेशन सेंटर (टीबीआईसी) के समर्थन में 1.75 लाख रूपये का दान दिया है। एसएमवीडीयू-टीबीआईसी द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी-संचालित स्टार्टअप प्रतियोगिता इनोस्पार्क 2025 का उद्देश्य महत्वाकांक्षी नवोन्मेषकों को अभूतपूर्व विचार प्रस्तुत करने, प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करने और उद्योग के नेताओं और निवेशकों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस पहल के तहत, एसएमवीडीयू के पूर्व छात्र प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि प्रायोजित कर रहे हैं। इसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख रूपये द्वितीय पुरस्कार 50,000 रूपये और तृतीय पुरस्कार- 25,000 रूपये है।

जम्मू 26 मार्च से करेगा अंडर-12 लॉन टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर लॉन टेनिस एसोसिएशन (जेकेएलटीए) 26 मार्च से 29 मार्च तक जम्मू के एम.ए. स्टेडियम टेनिस कोर्ट में अंडर-12 लड़के और लड़कियों की जम्मू जिला चैंपियनशिप आयोजित करने जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य युवा टेनिस उत्साही लोगों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और प्रतिस्पर्धी अनुभव प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

आयोजकों ने बताया है कि पंजीकरण की अंतिम तिथि 23 मार्च शाम 5:00 बजे है। इच्छुक प्रतिभागी सुबह 10:30 बजे से शाम 6:00 बजे के बीच औकाफ कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, गांधी नगर, जम्मू में हॉल नंबर 7 और 8 में जेकेएलटीए कार्यालय में आ सकते हैं।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए सत्संग एवं भंडारा आयोजित

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू माघ पूर्णिमा और गुरु रविदास जयंती के अवसर पर भागवत योगधाम आश्रम, रूप नगर में भव्य सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन में योग गुरु श्री श्री 1008 विजय कृष्ण पाराशर जी महाराज के सान्निध्य में मूवमेंट कल्कि के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान गौ माता को राष्ट्र माताका दर्जा दिलाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया गया। योग गुरु विजय कृष्ण पाराशर जी महाराज ने मूवमेंट कल्कि के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि गौ माता को राष्ट्र माताका दर्जा दिलाने और सनातन बोर्डके गठन की मांग वर्षों पुरानी है। उन्होंने गौ हत्या पर कठोर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। वहीं, जम्मू के अम्फाला चौक पर मूवमेंट कल्कि का आंदोलन 115वें दिन भी जारी रहा, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से फैल रहा है।

उत्तरवाहिनी में मूलभूत सुविधाओं का आभाव

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। उत्तरवाहिनी के लोगों और श्रद्धालुओं ने उत्तरवाहिनी में मूलभूत सुविधाओं को लेकर नाराजगी जताई है। लोगों ने कहा कि इस धार्मिक व ऐतिहासिक स्थल पर हर दिन हजारों यात्री आते है लेकिन यह पर सुविधाओं की बहुत कमी है। यात्रियों के लिए खास करके महिलाओ के लिए स्नान करने के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं है ऐसे में महिलाओं को देविका नदी में पर्दा लगाकर खुले में ही स्नान करना पड़ता हैं। अमावस के दिन मात्र अस्थाई तौर पर पर्दे लगाए जाते है और अन्य दिनों में महिलाओं के लिए कोई विशेष सुविधा नहीं होती है। जबकि पवित्र देविका नदी के किनारे गंदगी के ढेर लगे है।

उपमुख्यमंत्री ने सामाजिक पुनर्जागरण में गुरु रविदास की दूरदर्शी भूमिका पर प्रकाश डाला

जम्मू 12 फ़रवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने गुरु रविदास सभा कृष्णा नगर में श्री गुरु रविदास जी के 648वें प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए, सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में श्री गुरु रविदास जी के दूरदर्शी योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि समतावादी और मानवीय दुनिया बनाने के लिए उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करना समय की मांग है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जब भौतिकवादी गतिविधियों ने हमारे समाज के ताने-बाने को तहस-नहस कर दिया है, तब संतुष्ट और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए हमारे संतों की शिक्षाओं का अनुसरण करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमें अपने जीवन को अधिक आध्यात्मिक बनाने के लिए अपने संतों और सूफ़ियों की शिक्षाओं का पालन करने की आवश्यकता है, जिससे हमें संतोष और आनंदमय जीवन जीने में मदद मिलेगी।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मानवीय मूल्यों पर आधारित समाज सुनिश्चित करने में गुरु रविदास जी के योगदान से उपमहाद्वीप के लोग अवगत हैं और हमें मानवता की भलाई के लिए इन सिद्धांतों का प्रचार करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि यह हमारी दुनिया को अधिक समावेशी बनाने का आधार बनेगा। उपमुख्यमंत्री ने युवाओं से महान संतों की आध्यात्मिक शिक्षाओं का पालन करने और अपने भविष्य और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक प्रवृत्तियों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने मादक द्रव्यों के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की और इस सामाजिक बुराई से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने का आश्वासन दिया। इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने आश्रम में मत्था टेका और देश और विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत भी की। अखिल जम्मू-कश्मीर श्री गुरु रविदास सभा के प्रबंधन ने भी उपमुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें रोजगार में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण के उचित क्रियान्वयन, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और अन्य संबंधित मांगों जैसे कई मुद्दों को रखा गया।

इससे पहले, पूर्व बीडीसी, सरपंचों और पंचों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की और अपने-अपने क्षेत्रों के कई विकासात्मक मुद्दों को रखा और तत्काल निवारण की मांग की।

उपायुक्त ने किश्तवाड़ में एचएडीपी के कार्यान्वयन की समीक्षा की

किश्तवाड़ 12 फ़रवरी। किश्तवाड़ के उपायुक्त राजेश कुमार शवन ने जिले में समग्र .कृषि विकास कार्यक्रम के कार्यान्वयन में प्राप्त उपलब्धियों का आकलन करने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में बोलते हुए, डीसी ने निर्धारित लक्ष्यों को कुशलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए समयबद्ध दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने संबंधित विभागों को कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया।

डीसी ने किसान उत्पादक संगठनों के विस्तार पर जोर दिया और अधिकारियों को अगले सप्ताह में सभी लंबित आवेदनों को संसाधित करने और अनुमोदन के लिए जिला स्तरीय समिति को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

विविध .कृषि पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने पदाधिकारियों से टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल .कृषि को बढ़ावा देने के लिए जिले भर में बाजरा, लैवेंडर, गेंदा और तेल बीज की खेती को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

बैठक में सीपीओ शाहनवाज बाली, एसीआर इदरीस लोन, एसीडी फुलैल सिंह, सीएओ अमजद हुसैन मलिक, सीएचओ साजिद मुस्तफा, डीएसएचओ डॉ. जमील नासिर, एलडीएम, डीएओ और .षि और संबद्ध क्षेत्रों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मालदीव के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने की राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात

नई दिल्ली, 12 फ़रवरी (हि.स.)। मालदीव पीपुल्स मजलिस के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला के नेतृत्व में मालदीव के एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने यह जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर साझा करते हुए बताया कि मुलाकात के दौरान भारत और मालदीव के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच संसदीय आदान-प्रदान और लोगों से लोगों के बीच संपर्क शामिल हैं।

उपायुक्त ने पुंछ में जल योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया

पुंछ 12 फ़रवरी। जिले में पानी की कमी को दूर करने के लिए एक सक्रिय कदम में, उपायुक्त पुंछ विकास कुंडल ने जल योजनाओं का व्यापक निरीक्षण किया।

अधीक्षक अभियंता मोहम्मद ताज चौधरी, कार्यकारी अभियंता राजीव घई के अलावा एईई, जेई और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ, उपायुक्त ने डिंगला और चकतरू सहित प्रमुख जल योजनाओं का दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान, उपायुक्त ने स्थानीय निवासियों से उनकी जल संबंधी चिंताओं को समझने के लिए बातचीत की। उन्होंने कमी को रोकने के लिए स्थापना के कुशल कामकाज और उचित रखरखाव के महत्व पर जोर दिया।

समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश में उपायुक्त ने एसई को कनिष्ठ अभियंताओं के साथ योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करने का निर्देश दिया, ताकि प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अलावा, उन्होंने एक्सईएन को डिंगला और चकतरू जल योजनाओं को 10 दिनों के भीतर चालू करने का आदेश दिया।

डीडीसी नगरी ने उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की

कठुआ 12 फरवरी (हि.स.)। जिला विकास परिषद (डीडीसी) नगरी के सदस्य संदीप मजोत्रा ने कठुआ के लोगों की विभिन्न विकासात्मक कार्यों और शिकायतों पर चर्चा करने के लिए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चैधरी जी से मुलाकात की।

बैठक में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिसमें खोख्याल नगरी चन्नग्रां रोड को चैड़ा करना, खोख्याल में चेक डैम के शेष कार्य को पूरा करना, जराई कठुआ रोड पर पुल का जल्द से जल्द निर्माण, नगरी पैरोल के लिए डिग्री कॉलेज, मिडिल स्कूलों को उच्च माध्यमिक स्कूलों में अपग्रेड करना, गरीब लोगों के लिए बिजली बिलों की छूट, आवास योजना के लाभार्थियों के लिए राशि में वृद्धि जैसे कार्य शामिल थे। बैठक में संदीप मजोत्रा ने चल रही परियोजनाओं में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला और लंबित कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और अधिकारियों को सभी विकासात्मक गतिविधियों को समय पर पूरा करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में परियोजनाओं के निष्पादन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर भी चर्चा की गई। डीडीसी नगरी ने उपमुख्यमंत्री के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और समुदाय की भलाई के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

व्यक्ति का शव उसके घर के पास से मिला

रियासी, 12 फरवरी (हि.स.)। पुलिस ने बुधवार को रियासी जिले में एक व्यक्ति का शव बरामद किया है। पुलिस ने शव की पहचान रियासी के सरला भागा निवासी विजय कुमार पुत्र मनी राम के रूप में की है। उसका शव उसके घर के पास मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल रियासी पहुंचाया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में कानूनी और अन्य चिकित्सा औपचारिकताएं चल रही हैं।

'आईईडी विस्फोट में सैनिकों का बलिदान राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है'

सांबा, 12 फरवरी (हि.स.)। मंगलवार को जम्मू जिले की नियंत्रण रेखा पर अखनूर सेक्टर में एक संदिग्ध आईईडी विस्फोट में दो सैनिकों के बलिदान के बाद कमिला गांव के सरपंच मुख्तार सिंह व पूर्व सैनिक ने इसे राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया।

जम्मू संभाग के सांबा जिले के कमिला गांव के सेना के जवान नायक मुकेश संदिग्ध आईईडी विस्फोट में बलिदान हो गए। विस्फोट में एक अन्य अधिकारी कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी निवासी झारखंड भी वीरगति को प्राप्त हो गए। उनके इस बलिदान के बाद कमिला गांव में मुकेश के घर में शोक की लहर है क्योंकि ग्रामीण और रिश्तेदार उस सैनिक को याद कर रहे हैं जिसने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। मुख्तार सिंह ने इस क्षति के बारे में बात की और याद करते हुए कहा कि कैसे नायक मुकेश अपनी छुट्टियों के दौरान बच्चों के साथ खेलते थे और उल्लेख किया कि मुकेश का छोटा भाई भी सेना में सेवारत है। उन्होंने कहा कि सेना के लोगों से मुझे फोन आया। उन्होंने कहा कि उनका निधन उनकी यूनिट के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

भाजपा ने केंद्रीय बजट 2025 पर कार्यशाला आयोजित की

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल, इं. गुलाम अली खटाना सांसद (राज्यसभा) और भाजपा एनईएम की प्रिया सेठी ने बजट के मुख्य बिंदुओं को सभी के सामने रखा। कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में एडवोकेट सुनील सेठी, मुख्य प्रवक्ता डॉ. अभिजीत जसरोटिया और सीए राजीव गुप्ता ने केंद्रीय बजट पर गहनता से बात की। कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ताओं और पार्टी के दस संगठनात्मक जिलों के जिला अध्यक्षों और वक्ताओं ने भाग लिया। अशोक कौल ने पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने में मोदी सरकार की भूमिका को साझा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग के अंतिम व्यक्ति तक लाभ सुनिश्चित करने के लिए अंत्योदय मिशन पर काम कर रही है और बजट 2025 को इस मिशन को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम बताया। गुलाम अली खटाना ने कहा कि मोदी सरकार ने इस बजट के माध्यम से समाज के हर वर्ग की जरूरतों और आकांक्षाओं को संबोधित किया है। प्रिया सेठी ने कार्यशाला की कार्यवाही का संचालन किया और केंद्रीय बजट के लाभकारी पहलुओं को समझने पर जोर दिया। सुनील सेठी ने कहा कि मोदी सरकार ने केंद्रीय बजट 2025 के माध्यम से ज्ञान के कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित की है जिसमें मोदी सरकार के चार मुख्य फोकस बिंदु शामिल हैं, जिनमें गरीब , युवा, किसान और नारी शामिल हैं

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश बना: राजीव रंजन

नई दिल्ली, 12 फ़रवरी (हि.स.)। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने आज नई दिल्ली के पूसा परिसर में 14वें एशियाई मत्स्य पालन और जलीय कृषि मंच (14एएफएएफ) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजीव रंजन सिंह ने सतत मत्स्य पालन के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

राजीव रंजन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक बन गया है। मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत समुद्र में मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल मत्स्य पालन मंच और पोत निगरानी, ??ट्रांसपोंडर और आपातकालीन अलर्ट जैसे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को लागू कर रहा है।

सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज का संदेश- सत्य नाम ही मोक्ष का मार्ग

जम्मू, 12 फ़रवरी (हि.स.)। साहिब बंदगी के सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने आज पूर्णिमा के अवसर पर रॉंजड़ी में अपने प्रवचनों से संगत को निहाल करते हुए कहा कि इस संसार में रहने वाले सारे इंसान एक जैसे हैं, चाहे वो किसी भी धर्म वा जाति के हों। सबकी दो आँखें हैं। सबके पैरों में पाँच-पाँच उँगलियाँ हैं। सबको भूख लगती है, सबको प्यास लगती है, सभी सुख-दुख लगता है। हम सब दिमाग से भी एक जैसे हैं। सब अपने अपने बच्चों से प्यार करते हैं। सबमें काम है, सभी में क्रोध है। सबमें अहंकार भी है।

यह इंसान एक कठपुतली है। अन्दर से एक विरोधी ताकत इसको जैसा चलाती है, यह वैसा ही करता है। यहाँ कोई भी अपनी मर्जी नहीं कर सकता है। हम सब एक शैतानी ताकत के हाथ में बँधे हैं। उसमें इतनी ताकत है कि एक साथ हम सबके दिमाग को एक ही दिशा में घुमा सकती है। हम सब उसकी कठपुतलियाँ हैं। वो ताकत हम सबको विनाश की तरफ ले जाती है। कौन है वो। वो है मन। यह सब मन कर रहा है। मन ही काल है। मन ही जीवात्मा को नचा रहा है। इंसान के जितने भी काम है, सब मानसिक हैं।

आप देखें कि क्रोध आत्मा का स्वभाव नहीं है। पर यह सबमें है। तो कोई और है न। सबमें लोभ है। आत्मा तो ऐसी नहीं है। आत्मा तो बहुत प्यारी है, बहुत निराली है। नारद जैसों को भी लोभ आ गया। सबमें मोह है। आत्मा की जैसी व्याख्या शास्त्रों में है, वैसा कुछ भी इसांन में दिख नहीं रहा है। जितने भी ऋषि, मुनि संसार में आए, सब मन के जाल में फँस गये। मन को कोई नहीं समझ पाया। वो अज्ञात ताकत सबको अपने हिसाब से नचा रही है। जैसे पावर हाउस से जितनी बिजली छोड़ी जायेगी, उतनी ही आयेगी। पानी उतना ही आयेगी, जितना छोड़ा जायेगा। इस तरह वो ताकत जितना चाहता है, उतना पाप दुनिया में कर देता है। सब बंधे हैं। फिर छुड़ाने वाले भी ऐसे हैं, जो खुद बंधे हैं। ऐसे में छूटे कैसे। यह केवस सद्गुरु के सच्चे नाम की ताकते से छूट सकता है। यह मन और माया के का आकर्षण है। जैसे पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण सबको खींचता है। इस तरह उस ताकत में इतनी ताकत है कि एक साथ सबका दिमाग घुमा देती है। केवल सत्य नाम से जीवात्मी उस ताकत से छूटकर अपने देश अमर लोक जा सकती है। वो नाम अमर लोक की वस्तु है।

संपादकीय

क्या ड्रोन प्रतिबंध निवारक के रूप में कार्य कर सकता है?

विध्वंसक गतिविधियों को रोकने के संबंध में डोडा जिले में नवीनतम घटनाक्रम में कथित तौर पर दो महीने की अवधि के लिए ड्रोन के भंडारण, उपयोग और परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधिकारियों ने मामले में आदेश जारी करते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि इस कदम का उद्देश्य राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा मानव रहित उड़ने वाली वस्तुओं के दुरुपयोग को रोकना है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इस आदेश के दायरे से बाहर रखा गया है, इसके अलावा सरकारी विभाग संबंधित अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेकर प्रतिबंध क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग कर सकते हैं।

ऐसे किसी भी उपकरण को अपने पास रखने वाले लोगों की सुविधा के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा उचित रसीद के साथ स्थानीय पुलिस थानों में जमा करने का प्रावधान किया गया है। यह वास्तव में एक विवेकपूर्ण कदम है और इसे अन्य जिलों में भी दोहराया जाना चाहिए क्योंकि वर्तमान स्थिति की मांग है कि यूटी के आसमान में मानव रहित उड़ने वाली वस्तुओं की उपस्थिति के बारे में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। एक बात तो तय है कि उक्त आदेश से आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों की पहचान करने में तेजी आएगी, क्योंकि यह उम्मीद करना कि हिंसा फैलाने वाले लोग अपनी अवैध उड़ान वस्तुएं जमा करेंगे, सवाल ही नहीं उठता।

इसलिए, यह कहा जा सकता है कि ड्रोन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश किसी भी तरह से विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने वालों को नहीं रोक पाएगा, लेकिन यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए किसी भी तरह की उड़ने वाली वस्तुओं के संबंध में अपनी जेबों को साफ करने के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है और यदि प्रतिबंधित क्षेत्र में ऐसी कोई गतिविधि देखी जाती है, तो उसे संदिग्ध के रूप में पहचाना जा सकता है और मुकाबला अधिक प्रभावी और सीधा हो सकता है।

महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और अत्यधिक आबादी वाले क्षेत्रों के पास हवाई क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि पूरे यूटी में किसी भी तरह के ड्रोन या छोटे उड़ने वाले खिलौनों के इस्तेमाल पर जल्द से जल्द प्रतिबंध लगाया जाए।

यह उल्लेख करना उचित है कि हाल के दिनों में कुछ घटनाएं हुई हैं, जिनमें राष्ट्र विरोधी तत्वों ने ड्रोन और इसी तरह की उड़ने वाली वस्तुओं का उपयोग करके मानव जीवन को नुकसान, चोट और जोखिम पहुँचाया है, साथ ही महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को भी खतरा पैदा किया है, जैसे कि कुछ साल पहले भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित सतवारी क्षेत्र में दो यूएवी द्वारा उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र पर बमबारी का मामला।

जहां तक आम जनता का सवाल है, यह सलाह दी जाती है कि ऐसी इकाई रखने वाले किसी भी व्यक्ति को मामले में पूरा सहयोग करना चाहिए और उपरोक्त आदेश में निर्देशित अनुसार स्थानीय पुलिस स्टेशन में इसे प्रस्तुत करना चाहिए क्योंकि यह लोगों की सुरक्षा के लिए है।

यूएसएआईडी का दुरुपयोग

पंकज जगन्नाथ जायसवाल

मानवता की आड़ में वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें डीप स्टेट ताकतें और यूएसएआईडी का हिस्सा शामिल है, स्वार्थी कारणों और दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की इच्छा के लिए कई देशों की राजनीतिक प्रणालियों और संस्कृतियों को नष्ट कर रहा है।शाहीनबाग, किसान आंदोलन, बांग्लादेश हिंदू नरसंहार, कश्मीर नरसंहार, मुंबई आतंकवादी हमला, नक्सलवाद और आतंकवाद की गतिविधियाँ, शहरी नक्सलियों के भारत विरोधी आख्यान जैसे कई भारत विरोधी प्रदर्शन, सभी वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा वित्तपोषण की ओर इशारा करते हैं, जिनमें से एक यूएसएआईडी है।डोनाल्ड ट्रम्प और एलोन मस्क ने मानवता के लिए जोखिम देखा और यूएसएआईडी को बंद कर दिया।विदेशी सहायता रोकने और इसके वितरण के प्रभारी प्रमुख एजेंसी को बंद करने के ट्रम्प प्रशासन के हालिया कदमों ने संघीय खर्च में विवाद के अपेक्षाकृत मामूली लेकिन लंबे समय से चले आ रहे स्रोत पर ध्यान केंद्रित किया है।

इन कदमों ने दुनियाभर के मानवीय संगठनों और सरकारों के बीच अस्पष्टता पैदा कर दी है कि कौन-से कार्यक्रम जारी रह सकते हैं और कौन-से नहीं। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और जल जैसी अनेक मानवीय सहायता जारी रखी जानी चाहिए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प निःस्संदेह मानवता-विरोधी वामपंथी समूहों को हटाने के बाद ये सहायता शुरू करेंगे।

भारत तथा अन्य विकासशील और अविकसित देशों में मानवता विरोधी कार्रवाइयों के लिए मानवता विरोधियों के वित्तपोषण का किस प्रकार दोहन किया जा रहा है? कुछ उदाहरण-

यूएसएआईडी, जिसपर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना हो रही है, उसे अमेरिका के सभी अंतरराष्ट्रीय व्यय का आधे से अधिक फंड प्राप्त होता है। खतरे के संकेतों के बावजूद, यूएसएआईडी ने पाकिस्तान स्थित फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) को वित्तपोषित किया, जो हाफिज सईद के लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का मुखौटा है। इस तथ्य के बावजूद कि अमेरिकी सरकार ने एफआईएफ और एलईटी पर प्रतिबंध लगा दिया है, उन्हें यूएसएआईडी से वित्त पोषण प्राप्त हुआ।फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) और एलईटी मुंबई में 26/11 के हमलों के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें 166 लोग मारे गए थे।पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए 166 व्यक्तियों में छह अमेरिकी भी थे।

एफआईएफ को यूएसएआईडी का पैसा हेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डवलपमेंट (HHRD) के माध्यम से भेजा गया था, जो मिशिगन में स्थापित एक मुस्लिम गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका दक्षिण एशिया में सक्रिय आतंकवादी समूहों से संबंध है। ट्रम्प ने यूएसएआईडी पर नकेल कसते हुए इसे डीपस्टेट करार दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, ट्रम्प से जुड़े एक अकाउंट ने दावा किया कि जॉर्ज सोरोस ने यूएसएआईडी से 260,000,000.00 प्राप्त किए और इस पैसे का इस्तेमाल श्रीलंका, बांग्लादेश, यूक्रेन, सीरिया, ईरान, पाकिस्तान, भारत, यूके और अमेरिका में अराजकता फैलाने, सरकार बदलने और व्यक्तिगत लाभ के लिए किया। उनकी टिप्पणी अमेरिकी विदेशी सहायता की बढ़ती जांच में शामिल है, खासकर तब से जब ट्रम्प प्रशासन ने यूएसएआईडी के बजट को फ्रीज कर दिया है। डॉज (ष्ठह्लब्ध) के सीईओ एलन मस्क ने ट्रम्प की सरकार का समर्थन किया है, जो वामपंथ यूएसएआईडी की वित्तीय सहायता पर जोर देते हैं, जिसे वे विवादास्पद उपक्रम बताते हैं।

मस्क की भागीदारी और समर्थन ने शासन परिवर्तन और राजनीतिक प्रभाव के लिए विदेशी सहायता के उपयोग के बारे में रिपब्लिकन की चिंताओंको बढ़ा दिया है। मस्क ने एक्स स्पेसेस की बातचीत में कहा कि उन्होंने ट्रम्प के साथ यूएसएआईडी के बारे में बात की और [राष्ट्रपति] सहमत हुए कि हमें इसे बंद कर देना चाहिए, ट्रम्प द्वारा यूएसएआईडी के बारे में संवाददाताओं से कहने के बाद, इसे कट्टरपंथी पागलों के एक समूह द्वारा चलाया जा रहा है, और हम उन्हें बाहर निकाल रहे हैं, और फिर हम [इसके भविष्य के बारे में] कोई निर्णय लेंगे।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित एनजीओ ने सरकार की अग्निवीर परियोजना का विरोध किया, जाति जनगणना को बढ़ावा दिया और देश में नक्सलवाद का समर्थन किया।

अमेरिकी विदेशी सहायता पारंपरिक रूपसे विकास के बजाय राजनीतिक शक्ति पर केंद्रित रही है। यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रमों ने बार-बार प्राप्तकर्ता देशों को अमेरिका के अनुकूल नीतियों को अपनाने, अमेरिकी फर्मों के पक्ष में बाजार सुधारों को लागू करने और सैन्य प्रभुत्व के लिए रणनीतिक आधार के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। सहायता स्वयं कभी-कभी सच्ची आत्मनिर्भरता बनाने के बजायअल्पकालिक उपायों को प्राथमिकता देती है, जिससे कई विकासशील देश आर्थिक सशक्तीकरण की बजाय निर्भरता के चक्र में फंस जाते हैं। इन कमजोरियों के बावजूद, यूएसएआईडी अमेरिकी सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण उपकरण रहा है।

देखिए, यूएसएआईडी किसी कारणयाकार्यके लिए सिर्फ चेक लिखकर नहीं चला जाता है। यह जमीन पर राज्य के कर्मियों, अनुबंध श्रमिकों और गैर-सरकारी संगठनों (ह्लह्र) के संयोजन को नियुक्त करता है। उनमें से कुछ पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं, लेकिन संघीय विशेषाधिकारों के बिना। और वे स्थायी सिविल सेवा पेशेवरों और विदेश सेवा अधिकारियों की तुलना में बहुत अधिक संख्या में हैं, जो आमतौर पर एक अमेरिकी सरकारी एजेंसी के लिए काम करते हैं। सीरिया के उदाहरण में, यूएसएआईडी ने शरणार्थियों को खिलाने के लिए धन उपलब्ध कराया। हालांकि, चार वर्षों में, एकएनजीओएजेंट ने इसका लगभग 10न्न हिस्सा चुरालिया और इसे अल-कायदा से जुड़े संगठन में भेज दिया।

संघीय अमेरिकीसरकार विदेशी सहायता पर कितना खर्च करती है?

कांग्रेस के बजट कार्यालय के जनवरी 2025 के पूर्वानुमानों के अनुसार, सरकार वित्तीय वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रमों पर लगभग 58.4 बिलियन डॉलर खर्च करने की राह पर है। लेकिन, वित्तीय वर्ष के शुरू होने में बमुश्किल तीन महीने रह गए हैं, जब ट्रम्प प्रशासन आक्रामक रूप से सहायता को फिर से आकार दे रहा है और उसे कम कर रहा है, तो यह आँकड़ा बदल सकता है। Foreign Assistance.go1 के अनुसार, संयुक्त राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय सहायता पर 71.9 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो सबसे हालिया वित्तीय वर्ष है, जिसके लिए डेटा काफी हद तक पूरा है। इसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2022 में लगभग 74.0 बिलियन डॉलर खर्च किए गए। ये डेटा (और ForeignAssistance.gov के अन्य) अन्य देशों को हथियारों की बिक्री और सैन्य उपकरणों के हस्तांतरण के विषय से बाहर हैं। बदलती परिस्थितियों (जैसे युद्ध, आपदाएँ या बीमारी का प्रकोप) और बदलते राष्ट्रीय लक्ष्यों के आधार पर विदेशी सहायता की राशि, प्राप्तकर्ता और उद्देश्य साल-दर-साल बदलते रहते हैं। उदाहरण के लिए, वित्त वर्ष 2001 में यू.एस. विदेशी सहायता व्यय काफी कम था- मुद्रास्फीति-समायोजित 2023 डॉलर में 24.6 बिलियन। हालाँकि, संघीय राजकोषीय मानदंडों के अनुसार, हाल के वर्षों में वार्षिक सहायता व्यय में कोई खास बदलाव नहीं आया है। वित्त वर्ष 2008 और वित्त वर्ष 2023 के बीच, वार्षिक सहायता व्यय मुद्रास्फीति के लिए समायोजित 52.9 बिलियन और 77.3 बिलियन के बीच उतार-चढ़ाव रहा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यू.एस. सरकार दुनिया की सबसे बड़ी सहायता देने वाली संस्था है, जो 2024 में ट्रैक की गई सभी मानवीय सहायता का 40न्न से अधिक हिस्सा देती है।

पूरे संघीय बजट के हिस्से के रूप में विदेशी सहायता कितनी बड़ी है?

सरकार ने वित्त वर्ष 2023 में विदेशी सहायता पर 71.9 बिलियन खर्च किए, जो कि 6.1 ट्रिलियन से अधिक के कुल संघीय व्यय का 1.2न्न है। एक लाइन चार्ट यह दर्शाता है कि विदेशी सहायता व्यय अमेरिकी संघीय बजट का एक मामूली लेकिन विवादास्पद घटक है। वित्त वर्ष 2001 से, विदेशी सहायता ने समग्र संघीय व्यय का 0.7न्न से 1.4न्न हिस्सा लिया है। तुलना के लिए, सरकारी घाटा - प्राप्तियों और व्यय के बीच का अंतर जिसे उधार लेकर कवर किया जाना चाहिए- वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.7 ट्रिलियन था। शीत युद्ध के दौरान संघीय व्यय में विदेशी सहायता का हिस्सा बड़ा था। वास्तव में, वर्तमान सहायता प्रणाली को बड़े पैमाने पर संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच प्रतिद्वंद्विता द्वारा आकार दिया गया था।

अमेरिकी विदेशी सहायता राशि का उपयोग किस लिए किया जाता है?

अमेरिकी विदेशी सहायता मानवीय, आर्थिक विकास और लोकतंत्र निर्माण परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को निधि देती है, हालांकि श्रेणियां अस्पष्ट हो सकती हैं और उनके बीच अंतर अस्पष्ट हो सकता है। उदाहरण के लिए, वित्त वर्ष 2023 में सबसे बड़ा गतिविधि क्षेत्र, 15.9 बिलियन या सभी दी गई सहायता का 22.1न्न, विकास के लिए व्यापक आर्थिक आधार था। यह सब आर्थिक विकास के लिए लग सकता था, लेकिन उस राशि का 14.4 बिलियन सीधे रूस के साथ युद्ध में यूक्रेनी सरकार का समर्थन करने के लिए खर्च किया गया था।

भारत में वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र की कठपुतलियाँ, जिनमें कुछ वंशवादी राजनीतिक दल, कई गैर सरकारी संगठन, शहरी नक्सली, स्वयंभू बुद्धिजीवी और कुछ मीडिया हस्तियाँ शामिल हैं, मानवता विरोधी और विभाजनकारी ताकतों के साथ उनके संबंधों के साथ-साथ व्यक्तिगत लाभ और पर्याप्त धन के लिए राष्ट्र और इसकी संस्कृति को कमजोर करने के उनके प्रयास स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दिल्ली से आम आदमी पार्टी की विदाई

हर्षवर्धन पाण्डे

दिल्ली की राजनीति में भाजपा की हालिया जीत और आम आदमी पार्टी की हार ने मौजूदा दौर में कई सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए सशक्त प्रचार की रणनीति अपनाई। मोदी ने चुनावी रैलियों में आप के खिलाफ दिल्ली का पैसा लूट लिया का बेहतर नरेटिव बनाकर भाजपा को प्रचार में आगे किया और केजरीवाल की रेवड़ी के नहले पर बड़ी रेवड़ी का दहला मारकर आप के कामकाज पर सवाल उठाए। साथ ही दिल्ली की जनता से वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। मोदी और अमित शाह का प्रचार अभियान बड़े पैमाने पर था, जो स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता से जुड़ा हुआ था।

आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि उसने पिछले कुछ वर्षों में जिन विकास कार्यों को सबसे बड़ी सफलता के रूप में प्रस्तुत किया था, वे अब जनता के लिए उतने प्रभावी नहीं रहे। शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी के मुद्दों पर भले ही आप ने दिल्ली के लोगों को आकर्षित किया हो लेकिन यह महसूस किया गया कि अब कुछ नया नहीं है। लोगों ने यह देखा कि आप की सरकार दिल्ली में कुछ बड़े मुद्दों को सुलझाने में विफल रही जैसे रोजगार, महिला सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण। इसके साथ यमुना की सफाई नहीं हो सकी। आप में आंतरिक कलह और नेतृत्व की कमी भी हार का एक बड़ा कारण बनकर सामने आई। पार्टी के भीतर लगातार आपसी विवाद और संगठन के भीतर असंतोष ने आम आदमी पार्टी की छवि को प्रभावित किया। रही-सही कसर शराब घोटाले और इस मामले में उसकी टॉप लीडरशिप के जेल जाने ने पूरी कर दी।

अरविंद केजरीवाल का नेतृत्व इस बार उतना प्रभावी नहीं था, जितना पहले था। दिल्ली में भाजपा ने एक बड़ी रणनीति के तहत पूर्वांचल समुदाय के लोगों के वोट बैंक के साथ महिला वोट बैंक और कुछ झुग्गियों के वोट बैंक को अपने पाले में खींचने में सफलता हासिल की। भाजपा ने अपनी रैलियों में स्थानीय मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाया और यह संदेश देने की कोशिश की कि केवल वे ही दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में यह रणनीति काम आई क्योंकि भाजपा ने हर वर्ग को आकर्षित करने के लिए अपनी विचारधारा को मजबूती से प्रस्तुत किया इसमें कोई संदेह नहीं है कि केजरीवाल को मात देने के लिए भाजपा और संघ ने पूरा दम लगाया। उसने धारणा के स्तर पर केजरीवाल की कट्टर ईमानदार की छवि भंग कर दी थी और माइक्रो मैनेजमेंट किया।

अरविंद केजरीवाल अन्ना की टोपी पहनकर ईमानदारी की राजनीति करके सत्ता में आए थे। दिल्ली की जनता उनसे संपूर्ण ईमानदारी की उम्मीद कर रहा था। तभी शराब नीति से जुड़े घोटाले में नाम आने और जांच शुरू होने के साथ अगर वे इस्तीफा देते तो यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता था लेकिन कुर्सी से चिपके रहना उन्होंने पसंद किया। वह जेल में रहकर दिल्ली की सत्ता में बने रहना चाहते थे जिसने लोगों के मन में उनके प्रति धारणा बदली। जेल से छूट गए तो खुद को सीएम के रूप में मतदाताओं के बीच प्रोजेक्ट करने लगे, इससे सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षाएं फिर से जगी।

जेल जाकर सीएम बने रहना उनको भारी पड़ गया और शराब घोटाले में उन पर गंभीर आरोप लगे जो प्रकरण अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है और वह जमानत पर हैं। केजरीवाल के जेल जाने से दिल्ली पूरी तरह से ठहर-सी गई। केजरीवाल ने पिछले वर्ष के बजट में महिलाओं को नकद पैसे देने की घोषणा की थी लेकिन इस साल फरवरी के चुनाव तक महिलाओं को कोई पैसा नहीं मिला। उल्टा ये देखा गया महिलाओं से जो फार्म भरवाए गए वो कूड़े के ढेर में पाए जाने के वीडियो खूब वायरल हुए।

दिल्ली के रामलीला मैदान में समाज के हर तबके ने अन्ना आंदोलन में हिस्सा लिया था। बाद में जब केजरीवाल ने आप के रूप में राजनीतिक दल बनाया तो समाज के हर तबके को फ्री की रेवड़ियों से आकर्षित किया। हालांकि शराब घोटाले के बाद दिल्ली के हर वर्ग में उन्हें लेकर असंतोष बढ़ने लगा। खासकर उन लोगों को निराशा हुई जो केजरीवाल से व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीदें लगाए बैठे थे। दो साल पहले एमसीडी में बहुमत के बाद भी दिल्ली की बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी समस्याएं दुरुस्त नहीं हो पाई। जगह-जगह कूड़े के ढेर, सीवर समस्या और बढ़ते प्रदूषण से लोग त्रस्त हो गए। उनके जेल में होने से पांच महीने तक सारे कामकाज ठप रहे। पार्टी ने जिस तरह लोगों की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज किया, उससे जनता में आप के खिलाफ बड़ी निराशा फैली।

परीक्षा पर चर्चा विशेष: हमेशा जीवन बोलना चाहिए, मार्क्स नहीं

-प्रियंका सौरभ

परीक्षा पर चर्चा 2018 से एक वार्षिक कार्यक्रम रहा है। इस कार्यक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश के अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करते हैं। वे प्रवेश और बोर्ड परीक्षाओं को सहज और आसान तरीके से कैसे हल किया जाए, इस पर सलाह देते हैं।

इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों को एक प्रतियोगिता के माध्यम से चुना जाता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलने के अलावा प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रधानमंत्री से आमने-सामने बात करने का भी अवसर मिलता है। परीक्षा पर चर्चा का उद्घाटन संस्करण 16 फरवरी, 2018 को हुआ था। 29 जनवरी, 2024 को होने वाले 7वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, पर्याप्त नींद लें और रील देखने में समय बर्बाद न करें। 2025 में आयोजित होने वाले आठवें पीपीसी में इस साल परीक्षा से सम्बंधित तनाव कम करने पर विशेष जोर दिया गया था। परीक्षा पर चर्चा 2025 कार्यक्रम में सद्गुरु (आध्यात्मिक नेता), दीपिका पादुकोण (अभिनेत्री), विक्रांत मैसी (अभिनेता), मैरी कॉम (ओलंपिक चैंपियन, बॉक्सर) और अवनी लेखरा (पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता) जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति शामिल हुए। इन प्रतिष्ठित अतिथियों ने तनाव प्रबंधन, उद्देश्यों को पूरा करने और प्रेरणा बनाए रखने पर अपने अनुभव और व्यावहारिक विचार साझा किए।

10 फरवरी, 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा पर चर्चा 2025 के आठवें संस्करण के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। यह वार्षिक आयोजन छात्रों को परीक्षा की चिंता, करियर प्लानिंग और व्यक्तिगत विकास जैसे मुद्दों पर बात करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष के आयोजन के लिए 330 करोड़ से अधिक छात्रों, 2071 लाख शिक्षकों और 551 लाख अभिभावकों ने पंजीकरण कराया है, जो देश के युवाओं पर इस पहल के निरंतर प्रभाव को दर्शाता है। पीएम मोदी के अनुसार, कक्षा 10 और 12 में 40-50न्न छात्र असफल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह उनका अंतिम उद्देश्य है। शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता और असफलता के बीच अंतर को पहचानना महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जो दिन के अंत में अपनी गलतियों पर विचार करते हैं और उनमें सुधार करते हैं; छात्रों को भी ऐसा ही करना चाहिए। उनके अनुसार, आपका जीवन वही है जो आपके अंक बताते हैं, न कि आप। पीएम ने छात्रों को दबाव को नज़रअंदाज़ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज की तरह जो स्टेडियम के शोर और नारों को नजरअंदाज कर गेंद पर ध्यान केंद्रित करता है, छात्रों को भी तनाव के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उन बच्चों का क्या होता है जो स्कूल में फेल हो जाते हैं? देखिए, असफलता जीवन के अंत का संकेत नहीं है। आप जीवन में सफल होना चाहते हैं या किताबों के माध्यम से, यह आप पर निर्भर करता है। अपनी सभी असफलताओं को शिक्षण के अवसर में बदलना जीवन में सफलता प्राप्त करने की एक रणनीति है। अपनी गलतियों को अपने शिक्षण के क्षण बनाएँ। जीवन केवल परीक्षा नहीं है। इसे समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। हमें कुछ खासियतें देने के अलावा भगवान ने हमारी कुछ खामियाँ भी रखी हैं। खूबियों पर ध्यान दें। आपसे यह नहीं पूछा जाएगा कि आपको 10वीं और 12वीं कक्षा में कितने ग्रेड मिले। यह जीवन होना चाहिए, न कि अंक। रटने की शिक्षा के विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने समग्र शिक्षा और रचनात्मक शिक्षा के महत्त्व पर जोर दिया। छात्रों से सॉफ्ट स्किल सीखने और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया गया। प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी कि परीक्षाओं को सीखने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि बोझ के रूप में। उन्होंने सलाह दी कि छात्रों को ग्रेड से ज़्यादा ज्ञान को प्राथमिकता देनी चाहिए। अच्छा व्यवहार, अनुशासन और अभ्यास-अधिकारों के लिए शोर मचाना नहीं-नेतृत्व की पहचान हैं। सफल शिक्षा के लिए स्वस्थ भोजन और पर्याप्त नींद के महत्त्व पर बल दिया। छात्रों से मानसिक स्वास्थ्य के लिए बाहर समय बिताने और शारीरिक गतिविधि के स्तर को बढ़ाने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि वे परीक्षाओं से डरने के बजाय इसे एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने के अवसर के रूप में देखें। उन्होंने दावा किया कि परिवार और सामाजिक वातावरण कभी-कभी छात्रों पर दबाव डाल सकते हैं, जो अवांछनीय है। परिवार के सदस्यों या रिश्तेदारों का यह दबाव कि बोर्ड परीक्षाएँ बहुत जरूरी हैं, छात्रों को अत्यधिक चिंतित और तनावग्रस्त बना देता है। आपका जीवन एक परीक्षा के साथ समाप्त नहीं होता है। यह सिर्फ एक मील का पत्थर है जिसे आपको हासिल करना है। अगर आप बाहरी दबाव को नज़रअंदाज़ करेंगे तो आप ज़्यादा आत्मविश्वास महसूस करेंगे।

पीएम मोदी के अनुसार, माता-पिता को अपने बच्चों की बोर्ड परीक्षा की तैयारी में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए और उनकी ताकत और कमजोरियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि माता-पिता अपने व्यस्त शेड्यूल के कारण बच्चों की परीक्षा तैयारी में भाग नहीं ले पाते हैं। परीक्षा देते समय पीएम मोदी ने छात्रों को चुनौतीपूर्ण प्रश्नों को समझने से शुरुआत करने की सलाह दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपको हर विषय पर समान ध्यान देना चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि छात्र सरल विषयों या प्रश्नों से शुरुआत करें। हालाँकि, मेरी सलाह है कि चुनौतीपूर्ण प्रश्नों से शुरुआत करें क्योंकि इससे आपका दिमाग़ साफ़ रहेगा और आप उन्हें बेहतर तरीके से संभाल पाएँगे। बाद में जब आपका दिमाग़ थक जाएगा, तो सरल प्रश्नों का उत्तर देना आपके लिए आसान भी होगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कबड्डी में सेमीफाइनल के लिए टीमें तय

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में कबड्डी प्रतियोगिता के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने सेमी फाइनल में जगह बनाने के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया। इसमें कुछ एकतरफा जीत रहीं, तो कुछ रोमांचक टक्कर के बाद तय हुईं। अब सेमीफाइनल में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद की जा रही है। महिला मुकाबलों में हिमाचल प्रदेश ने कर्नाटक को 43-12 के बड़े अंतर से हराया, जबकि महाराष्ट्र ने कड़ी टक्कर वाले मैच में छत्तीसगढ़ को 39-35 से मात दी। उत्तर प्रदेश ने दिल्ली के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए 51-32 से जीत दर्ज की, वहीं हरियाणा ने उत्तराखंड को 49-32 के अंतर से पराजित किया। इन परिणामों के बाद हरियाणा और उत्तराखंड पूल ए की शीर्ष टीमें बनीं, जबकि पूल बी में उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश ने आगे बढ़ने का गौरव हासिल किया। कमोबेश इसी तरह, पुरुष मुकाबलों में उत्तर प्रदेश ने आंध्र प्रदेश को 43-12 से हराया, जबकि महाराष्ट्र ने कर्नाटक को 52-16 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। हरियाणा ने हिमाचल प्रदेश को 36-21 से मात दी, जबकि राजस्थान ने मेजबान उत्तराखंड को 45-34 से पराजित किया। इन मैचों के बाद राजस्थान और उत्तराखंड ने पूल ए में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि हरियाणा और उत्तर प्रदेश पूल बी की अगुवाई करने में सफल रहे।

टेबल टेनिस मिश्रित डबल्स में दिखा रोमांच, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल ने किया दमदार प्रदर्शन

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में टेबल टेनिस के मिश्रित डबल्स मुकाबले रोमांच से भरपूर रहे। पारेड ग्राउंड के मल्टी पर्पस हॉल में हुए इन मैचों में खिलाड़ियों ने अपने कौशल और जुझारूपन का शानदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में पश्चिम बंगाल के अनिर्बान घोष और अहीका मुखर्जी ने तमिलनाडु के अमलराज एंथनी और शिवशंकर एंथनी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। तमिलनाडु की जोड़ी ने पहला सेट 7-11 से जीता, लेकिन इसके बाद पश्चिम बंगाल ने 11-3, 11-6 और 11-4 से लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। दूसरे मुकाबले में महाराष्ट्र की कश मोदी और तनीषा कोटेचा ने पश्चिम बंगाल के रोनित भंजा और सुत्रीथा मुखर्जी को हराया। पहला सेट पश्चिम बंगाल की जोड़ी ने 13-15 से जीता, लेकिन कश और तनीषा ने दमदार वापसी करते हुए 11-3, 11-8 और 11-4 से तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीसरे मुकाबले में महाराष्ट्र के अल्बुकर्क रेगन और स्वस्तिका घोष ने पश्चिम बंगाल के आकाश पाल और पॉयमाम्टी बैसिया को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। पहले दो सेट महाराष्ट्र ने 11-7 और 11-5 से जीते, लेकिन पश्चिम बंगाल की जोड़ी ने 7-11 और 8-11 से वापसी कर ली। हालांकि, निर्णायक सेट में महाराष्ट्र ने 11-8 से जीत दर्ज की।

हरियाणा ने नेटबॉल (फास्ट 5) में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा ने नेटबॉल (फास्ट 5) प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। पुरुष फाइनल में हरियाणा ने केरल को 32-29 से शिकस्त दी, जबकि महिला वर्ग के रोमांचक खिताबी मुकाबले में हरियाणा ने तेलंगाना को 23-20 से मात दी।

हरियाणा की पुरुष टीम ने दिखाया दम

हरियाणा की पुरुष टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से खिताबी जीत दर्ज की। क्वार्टर फाइनल में टीम ने उत्तराखंड को 42-26 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस दौर में राजस्थान ने केरल को 32-30, जम्मू-कश्मीर ने पंजाब को 32-27 और तेलंगाना ने गुजरात को 37-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सेमीफाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को 44-32 से हराते हुए फाइनल का टिकट कटाया, वहीं केरल ने जम्मू-कश्मीर को 38-26 से मात दी। कांस्य पदक के मुकाबले में राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के बीच मुकाबला 33-33 से ड्रॉ रहा, जिससे दोनों को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला। महिला वर्ग में भी हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में हरियाणा ने उत्तराखंड को 30-09 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अन्य मुकाबलों में तेलंगाना ने हिमाचल प्रदेश को 24-18, पंजाब ने कर्नाटक को 23-17 और असम ने दिल्ली को 30-29 से हराया।

कयाकिंग और कैनोइंग मुकाबलों के पहले दिन उत्तराखंड के खिलाड़ियों का जलवा

टिहरी। 38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत कयाकिंग और कैनोइंग (स्प्रिंट) मुकाबलों का पहला दिन रोमांचक रहा। उत्तराखंड के टिहरी स्थित वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में देशभर के खिलाड़ियों ने अपनी गति और संतुलन का शानदार प्रदर्शन किया। पहले दिन की प्रमुख स्पर्धाओं में उत्तराखंड, सर्विसेज और मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया।

के-1 पुरुष 1000 मीटर स्पर्धा में उत्तराखंड के प्रभात कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 03:49.81 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सर्विसेज के एल. नाओचा सिंह 03:50.60 मिनट में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया, जबकि दिल्ली के दीपक प्रजापति ने 03:51.58 मिनट में रेस पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

सी-1 पुरुष 1000 मीटर स्पर्धा में सर्विसेज के पीएच ज्ञानेश्वर सिंह ने 04:05.271 मिनट में रेस पूरी कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मध्य प्रदेश के अरविंद वर्मा ने 04:05.968 मिनट में रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा के हर्ष ने 04:11.015 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

चोटिल बुमराह और फिट यशस्वी चैंपियंस ट्राफी के लिये भारतीय टीम से बाहर

एजेंसी

मुंबई। टीम इंडिया के मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्राफी से बाहर हो गये हैं वहीं अपने शानदार प्रदर्शन के बावजूद यशस्वी जायसवाल भी टीम इंडिया में में जगह बनाने में विफल रहे हैं। उनके स्थान पर कर्नाटक के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया गया है।

बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने विज्ञप्ति के जरिये इन बदलाव की जानकारी दी है। उन्होने कहा कि पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर चयन समिति ने हर्षित राणा को नामित किया है।

इसके अलावा टीम इंडिया ने वरुण चक्रवर्ती को भी टीम में शामिल किया है। वह यशस्वी जयसवाल की जगह लेंगे जिन्हें शुरुआत में अस्थायी टीम में रखा गया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के

लिये भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद। शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

सुरक्षित वैकल्पिक खिलाड़ीः यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे। जरूरत पड़ने पर तीनों खिलाड़ी दुबई जाएंगे।

गौरतलब है कि कि वरुण चक्रवर्ती ने पिछले कुछ समय में अपने प्रदर्शन के दम पर चयनकर्ताओं को आकर्षित किया है। उन्होने अब तक 18 टी20 मैचों में 33 विकेट झटके हैं जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गयी टी20 सीरीज में लिये गये 11 विकेट शामिल है। उन्होने इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय मैच में एक विकेट झटका है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगा जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को खेला जाएगा। भारत अपना आखिरी ग्रुप मैच न्यूजीलैंड से दो मार्च को खेलगा।

मैट कुहनेमन का गेंदबाजी एक्शन संदिग्ध, होगी बायोमीट्रिक जांच

एजेंसी

सिडनी। गेंदबाजी एक्शन को लेकर संदेह के घेरे में आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के स्पिन गेंदबाज मैट कुहनेमन की बायोमीट्रिक जांच की जायेगी। आस्ट्रेलिया की मीडिया रिपोर्टस के अनुसार श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंपायरों ने कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाया था और उन्होने इसकी शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से की थी। रिपोर्टस के अनुसार बायें हाथ के स्पिनर का गेंदबाजी एक्शन अगर अवैध पाया जाता है तो उन पर प्रतिबंध लग सकता है। कुहनेमन श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों में 16 विकेट चटका चुके हैं। उनकी बायोमीट्रिक जांच ब्रिसबेन में होगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा , श्रीलंका के खिलाफ गॉल में दूसरे टेस्ट के दौरान मैच अधिकारियों द्वारा की गई शिकायत की जानकारी आस्ट्रेलियाई टीम को दी गई है। हम जांच में सहयोग करेंगे। गौरतलब है कि कुहनेमन 2017 में पदार्पण के बाद से 124 पेशेवर मैच खेल चुके हैं लेकिन उनके गेंदबाजी एक्शन पर पहली बार सवाल उठे हैं।

अनिल कुंबले ने त्रिवेणी संगम में किया पावन स्नान

एजेंसी

महाकुम्भनगर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने पत्नी चेतना रामतीर्था के साथ माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद बुधवार को दोनों ने सूर्य को अर्घ्य दिया और पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने नाव पर सवार होकर सेल्फी भी सोशल मीडिया में अपलोड की और माघ पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रमा की छवि भी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने कुंबले महाकुम्भ की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिभूत नजर आए। कुंबले ने संगम स्नान के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ सिर्फ एक शब्द लिखा 'ब्लेस्ड (आशीर्वाद)'। इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज का आशीष मिला।

अपनी फिरकी से विरोधी

बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाने वाले अनिल कुंबले ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि, त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना। इस दिन महाकुम्भ में वीवीआईपी प्रोटोकॉल जारी नहीं होता। इसके बावजूद वह सामान्य श्रद्धालु की तरह नाव पर सवार होकर त्रिवेणी संगम पहुंचे और संगम में स्नान किया।

लीजेंड लीग पर आग बरसा रहा है शिखर का बल्ला

एजेंसी

रायपुर (छत्तीसगढ़)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन लीजेंड 90 लीग में बल्ले से आग बरसाते नजर आ रहे हैं।

उन्होने अपने पिछले मैच में बिग बॉयस के खिलाफ नाबाद 50 रनों की शानदार पारी खेली। आठ से 18 फरवरी तक चलने वाली इस लीग में शिखर के अलावा लेंडल सिमंस, थिसारा परेरा, रॉस टेलर और मार्टिन गप्टिल जैसे कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे हैं।

दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे धवन ने लीग का हिस्सा बनने पर खुशी जाते हुए कहा कि, यह टूर्नामेंट रिटायर्ड खिलाड़ियों को एक बार फिर उसी रोमांच को जीने का मौका दे रहा है, जो कभी उनका हिस्सा हुआ करता था। उन्होंने कहा कि, लीग को बहुत अच्छे तरीके आयोजित किया गया है। चाहे मैदान हो, विकेट हो, ड्रेसिंग रूम की व्यवस्था हो, सभी चीजें बहुत बढ़िया

हैं, खासकर प्रशंसकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह देखने लायक है। 90 बॉल क्रिकेट का या फटाफट प्रारूप हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए एक अलग ही अनुभव है। हमने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जबरदस्त प्रेशर के साथ खेला है, लेकिन यहां हम खेल पर फोकस करने के साथ ही एंजॉय भी कर सकते हैं।

शिखर ने कहा कि, इस लीग का क्रेज बहुत जबरदस्त है और मुझे पूरा यकीन है कि मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह दर्शकों से इसे भरपूर प्यार मिलने वाला है।

प्रशंसक इसका सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं। डिजिटल स्ट्रीमिंग फैन कोड और सोनी लिव पर उपलब्ध है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिये कसी कमर

एजेंसी

कोलंबो। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिये कमर कस ली है। टीम के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का ध्यान चैंपियंस ट्रॉफी पर है, लेकिन इसका यह कतई मतलब नही है कि वे श्रीलंका के खिलाफ सीरीज को हल्के ले रहे हैं। उन्होने कहा ÷अगर मैं कहूं कि चैंपियंस ट्रॉफी हमारे दिमाग में नहीं है, तो यह झूठ होगा, यह हमारे लिए एक बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट है। हालांकि हमारा ध्यान इस श्रृंखला को मजबूती से खत्म करने पर है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि चैंपियंस ट्रॉफी पर खतरा मंडरा रहा है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम उसमें अच्छी फॉर्म बरकरार रखे।

स्मिथ ने उपमहाद्वीप दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की सफलता के लिए संयुक्त अरब अमीरात में प्रशिक्षण शिविर को एक महत्वपूर्ण कारक बताया। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में 2-0 से जीत हासिल की, जो 14 वर्षों में देश में उनकी

पहली रेड-बॉल सीरीज़ जीत है। अब उनका लक्ष्य उस लय को चैंपियंस ट्रॉफी में बरकरार रखना है।

स्मिथ ने कहा, यह हमारे लिए बेहद फायदेमंद शिविर था, हम ऐसे तरीके खोजे, स्पिनरों ने अपनी गति में बदलाव करने पर काम किया और तेज गेंदबाजों ने अपनी रिवर्स स्विंग को ठीक किया और हमें उम्मीद है कि हम इस श्रृंखला में यह सब लाएंगे और विकेट तैयार करने में सक्षम थे जो वास्तव में चुनौतीपूर्ण थे। बल्लेबाजों ने इन परिस्थितियों में सफल होने के अच्छी तरह से खत्म करेंगे। टेस्ट और सफेद गेंद की श्रृंखला के बीच बदलाव का समय बहुत कम है, लेकिन स्मिथ विभिन्न प्रारूपों के अनुरूप ढलने की टीम की क्षमता को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। स्मिथ ने हल्की थ्रोइंग में भाग लिया। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में स्मिथ को थ्रो करते समय चोट लगी थी।स्मिथ ने कहा, यह ठीक है, मेरी थ्रोइंग शायद कुछ समय के लिए सीमित रहेगी। मैंने पिछले दिनों एक का संतुलन बिगाड़ दिया था, जो उस स्तर पर आदर्श नहीं था, लेकिन यह उस समय की तुलना में काफी बेहतर लगता है, जब बिग बैश खेल के दौरान मुझे शुरुआत में चोट लगी थी। इससे मेरी बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बस इस स्तर पर मैं थोड़ा सा थ्रो कर सकता हूं। लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ अपना चैंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करने से पहले श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के दो वनडे मैच बुधवार (12 फरवरी) और शुक्रवार (14 फरवरी) को खेले जाएंगे।

गजांफर चैंपियंस ट्राफी के लिये अफगान टीम से बाहर

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के आफ स्पिनर एएम गजांफर कमर के निचले हिस्से में फ्रैक्चर होने के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को एक्स पर यह जानकारी साझा की। बोर्ड ने लिखा अफगानिस्तान की युवा स्पिन गेंदबाजी सनसनी, एएम ग़ज़नफ़र कमर के निचले हिस्से में फ्रैक्चर के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। उन्हें अफगानिस्तान के हाल ही में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान चोट लगी थी, और वह कम से कम चार महीने के लिए बाहर रहेंगे और इस अवधि के दौरान उपचाराधीन रहेंगें। बोर्ड ने लिखा नांग्याल खरोती, जो रिजर्व पूल का हिस्सा थे, को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मुख्य टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा मुजीब उर रहमान पूरी तरह से ठीक होने तक वनडे मैच से बाहर रहेंगे ं हाथ के स्पिनर नांगेयालिया खरोटे अब तक सात वनडे और छह टी20 मैच खेल चुके हैं।

वॉरिकन और मूनी जनवरी के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ़ मंथ

एजेंसी

दुबई। वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया गया है। आईसीसी ने जनवरी 2025 के लिए आईसीसी पुरुष और महिला खिलाड़ियों की सूची में इन नामों की घोषणा की। बाएं हाथ के स्पिनर वारिकन ने कैरीबियन को 1990 के बाद पाकिस्तान में पहली टेस्ट जीत दिलाने में अहम योगदान दिया जबकि मूनी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एशेज में इंग्लैंड को आसानी से हरा दिया।

32 वर्षीय वारिकन ने जनवरी में दो टेस्ट मैचों में केवल 9.00 की औसत से 19 विकेट लिए। शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान की जीत के बावजूद, मुल्तान में स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों में बाएं हाथ के गेंदबाज ने दस विकेट झटके। वॉरिकन ने पाकिस्तान के एक खिलाड़ी को छोड़कर बाकी सभी विकेट गिराने में भूमिका निभाई।

दूसरे टेस्ट में न केवल गेंद से बल्कि हाथ में बल्ले से भी उनका कमाल जारी रहा। पहली पारी में नौ विकेट पर 95 रन बनाकर संघर्ष कर रही वेस्टइंडीज को क्रीज पर पहुंचे वारिकन (नाबाद 36) और केमर रोच ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया और मेहमान टीम 163 रन के सम्मानजनक स्कोर पर सिमट सकी। इस मैच को वेस्टइंडीज ने 120 रन से जीता। मई 2024 में स्पिनर गुडाकेश मोती के बाद वारिकन यह पुरस्कार जीतने वाले पहले वेस्ट इंडियन बन गए हैं।

वारिकन ने कहा, यह पुरस्कार जीतना सम्मान की बात है। इस साल के लिए मेरे लक्ष्यों में से एक टेस्ट क्रिकेट में मेरा पहला पांच विकेट लेना था, लेकिन मैंने नहीं सोचा था कि यह इतना शानदार होगा। मैं इसे अपने क्रिकेट करियर में एक छोटे कदम के रूप में देखता हूं, और बहुत कुछ की आशा करता हूं। मैंने अपने कप्तान से इस श्रृंखला में कुछ विशेष करने का वादा किया था।

आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ़ द मंथ, बेथ आस्ट्रेलिया की मूनी ने वनडे और टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। एशेज श्रृंखला की धीमी शुरुआत के बावजूद सलामी बल्लेबाज ने होबार्ट में तीसरे एकदिवसीय मैच में अर्धशतकीय पारी खेली। मूनी ने 64 गेंदों में 50 रन बनाकर इंग्लैंड को बैकफुट पर जाने को मजबूर किया और घरेलू टीम ने अपने 50 ओवरों में 308 रन बनाकर वनडे में जीत हासिल की।

इसके बाद हुए टी20 मुकाबलों में मूनी ने 146.89 की धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 213 रन बनाकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की। एडिलेड में 63 गेंदों में नाबाद 94 रनों की शानदार पारी खेली। मूनी ने जीत हासिल करने के लिए वेस्टइंडीज की करिश्मा रामहरैक और अंडर19 महिला टी20 विश्व कप विजेता गोंगाडी त्रिशा को पछाड़ दिया और दिसंबर में एनाबेल सदरलैंड को सम्मानित किए जाने के बाद किसी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के लिए लगातार दूसरी जीत सुनिश्चित की।

मूनी ने कहा, आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ नामित होना सम्मान की बात है और मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने मुझे वोट दिया।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए जनवरी एक अविश्वसनीय महीना था। घरेलू दर्शकों के सामने एशेज जीतना बहुत खास था और महिला टेस्ट के लिए रिकॉर्ड भीड़ के सामने एमसीजी में पहले दिन-रात टेस्ट में खेलकर श्रृंखला पूरी करना एक ऐसा क्षण है जिसे हम सभी कभी नहीं भूलेंगे।

जिम्नास्टिक स्पर्धा : महाराष्ट्र व सर्विसेज ने जीते स्वर्ण

देहरादून। उत्तराखंड में जारी 38वें राष्ट्रीय खेल की जिम्नास्टिक स्पर्धा के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस दिन रिदमिक और मेंस आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक में खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीनियर वर्ग की रिदमिक जिम्नास्टिक टीम फाइनल में महाराष्ट्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र की टीम ने कुल 239.05 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। जम्मू-कश्मीर की टीम ने भी जबरदस्त खेल दिखाते हुए 231.65 अंकों के साथ रजत पदक जीता। हरियाणा की टीम को 192.60 अंकों के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सीनियर वर्ग की पुरुषों की व्यक्तिगत ऑलराउंड फाइनल में सर्विसेज के तपन मोहंती ने 71.867 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।

उन्नति शर्मा ने जूडो में स्वर्ण पदक जीत उत्तराखंड का नाम किया रोशन

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल में जूडो प्रतियोगिता के दूसरे दिन कई भार वर्गों में रोमांचक मुकाबले और बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिले। 63 किलोग्राम बालिका वर्ग में उत्तराखंड की उन्नति शर्मा ने अपने कौशल का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश की खिलाड़ी हिमांशी टोकस ने उन्नति को कड़ी टक्कर दी, लेकिन उन्हें रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर की तल्हा फयाज और मणिपुर की इरेंगबाम कल्पना देवी को कांस्य पदक मिले। पुरुष वर्ग के -81 किलोग्राम में पंजाब के हर्षप्रीत सिंह ने अपने मुकाबलों में दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के नरेंद्र ने रजत पदक और उत्तर प्रदेश के अभिषेक चौधरी और आकाश राज ने कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग के 70 किलोग्राम में हरियाणा की गरिमा चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता। हिमाचल प्रदेश की

ताखेलम्बम इनुंगनबी ने रजत पदक और हरियाणा और केरल के मोनिका हुड्डा और देवीकृष्ण वी.एस. ने कांस्य पदक जीता। दिन के खेल का समापन पुरुष स्पर्धा में 90 किलोग्राम के साथ हुआ। जिसमें मध्य प्रदेश के भरम कुमार वत्स ने स्वर्ण पदक जीता। सर्विसेज के अजय कुमार ने रजत पदक जीता और मणिपुर के निंगथौजम शीतल और जम्मू-कश्मीर के रजत सिंह चिब दोनों ने कांस्य पदक जीता। उल्लेखनीय है कि जैसे जूडो स्पर्धाएँ अपने समापन की और आगे बढ़ रही हैं, खेल का रोमांच बढ़ता जा रहा है, खिलाड़ी अपनी सीमाओं को पार करते हुए राष्ट्रीय खेल में शीर्ष में स्थान पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। प्रशंसक आने वाले दिनों के खेल में रोमांचक एक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

राउंडग्लास हॉकी अकादमी और यूपी करम ने जीत से की शुरुआत

एजेंसी

लखनऊ। गत विजेता राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने 35वीं ऑल इंडिया केडी सिंह बाबू सब जूनियर (अंडर-14) प्राइज़मनी हॉकी टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में मेजर ध्यानचंद (हरियाणा) को 8-2 से शिकस्त दी। वहीं यूपी करम ने भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए जय हॉकी अकादमी (तमिलनाडु) को 5-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के ध्यानचंद एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में खेले जा रहे टूर्नामेंट में यूपी करम और जय हॉकी अकादमी, तमिलनाडु के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन दूसरे क्वार्टर में यूपी करम के लकी कुमार ने 19वें और करन कुमार ने 24वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद, पृथ्वी राज ने 33वें मिनट में साथी खिलाड़ी से मिले पास पर गोल दागा। फिर कृष सिंह (35वां और 38वां मिनट) ने दो गोल कर यूपी करम को 5-1 से जीत दिलाई। जय हॉकी अकादमी से साई विग्नेश ने एकमात्र गोल किया।

दूसरी ओर, राउंडग्लास हॉकी अकादमी (पंजाब) ने मेजर

ध्यानचंद (हरियाणा) के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले क्वार्टर में ही पांच गोल दागे। टीम ने प्रतिद्वंद्वी की गलती के चलते मिले मौकों को गोल के रुप में भुनाया।

जसप्रीत सिंह ने सातवें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने के बाद 22वें मिनट में मैदानी गोल दागा। रणवीर सिंह ने 13वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर गोल किया और दो मिनट बाद ही मैदानी गोल किया। कसमप्रीत सिंह (14वां मिनट), निशांत तंवर (20वां मिनट) और अभिजोत सिंह (27वां मिनट) ने 1-1 लिए गोल किए। मेजर ध्यानचंद (हरियाणा) के लिए दक्ष द्वितीय (23वां मिनट) और नैतिक ग्रोवर (53वां मिनट) ने गोल किए।

अन्य मुकाबलों में फ्लिकर्स ब्रदर्स (हरियाणा) ने महेंद्र मेमोरियल स्पोर्ट्स क्लब (हरियाणा) को 3-1 से हराया। विराट सिंह, आदित्य और विशाल ने विजयी टीम के लिए गोल किए, जबकि हिमांशु शर्मा ने महेंद्र मेमोरियल के लिए एकमात्र गोल किया। वहीं नेवल टाटा (ओडिशा) ने मनमोहन सिंह हॉकी अकादमी (हरियाणा) को 8-1 से हराया।

डिजिटलीकरण का मतलब विनियमन से मुक्ति नहीं : सीईए नागेश्वरन

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। देश के मुख्य आर्थिक सलाहाकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि प्रशासन में यह गलत धारणा है कि डिजिटलीकरण का मतलब विनियमन से मुक्ति है। नागेश्वरन ने भारतीय उद्यम और वैकल्पिक पूंजी संघ (आईवीसीए) के द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। वैकल्पिक निवेश उद्योग के लॉबी समूह आईवीसीए में उन?होंने इस बात पर जोर दिया कि अनावश्यक विनियमनों को हटाना आवश्यक है, भले ही अनुपालन ऑनलाइन या ऑफलाइन जरूरी हो। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि यह गलत धारणा है कि जैसे ही देशभर में कोई सरकारी विभाग...डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कुछ डालता है, उन्हें लगता है कि यह विनियमन है, लेकिन ये विनियमन नहीं है, आपने इसे ऑफ़लाइन के बजाय ऑनलाइन बना दिया है। नागेश्वरन ने कहा कि कोई भी देश जिसने 'विकसित' होने का दर्जा हासिल कर लिया है, उसे छोटे व्यवसायों की ओर ध्यान देना होगा तथा विनियमन जैसी चुनौतियों से निपटना होगा जिससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सके कि ऐसे उद्यम अनुपालन पर अपना समय बर्बाद न करें।

सैमसंग 'गैलेक्सी एम्पावर्ड' कार्यक्रम से 20 हजार शिक्षकों को उन्नत प्रोद्यौगिकी का कौशल करेगा प्रदान

नयी दिल्ली। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग 'गैलेक्सी एम्पावर्ड' के जरिए देश में शिक्षा क्षेत्र में शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और प्रशासकों को सशक्त बनाकर शिक्षा को बदलने का प्रयास करेगा और इस वर्ष 20 हजार शिक्षकों को उन्नत प्रोद्यौगिकी और मिश्रित शिक्षा उपकरण का कौशल प्रदान करेगा। कंपनी ने आज यहां आयोजित समारोह में 'गैलेक्सी एम्पावर्ड' के शुभारंभ की घोषणा की है। इस समरोह में शिक्षकों और उन्नत प्रोद्योगिकी के जानकारों ने भागीदारी और शिक्षा में तकनीकी के इस्तेमाल को लेकर अपने-अपने अनुभव साझा किये। इस पहल का उद्देश्य देश में शिक्षकों को कौशल प्रदान करना है, उन्हें मिश्रित शिक्षण कार्यक्रमों, व्यावहारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के अवसरों के साथ-साथ सशक्त बनाना है। इस अवसर पर 2008 ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने मुख्य अतिथि के तौर पर कहा, ÷सैमसंग की गैलेक्सी एम्पावर्ड पहल शिक्षकों को उन्नत प्रौद्योगिकी, मिश्रित शिक्षण उपकरण और एक सहायक समुदाय तक पहुँच प्रदान करके अंतराल को पाटती है। ऑनलाइन और व्यक्तिगत व्यावसायिक विकास के माध्यम से, शिक्षक अपनी कक्षाओं में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत कर सकते हैं। सैमसंग के उत्पादों और अनुकूलित संसाधनों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके, हम शिक्षकों को छात्र जुड़ाव बढ़ाने, कार्यों को सुव्यवस्थित करने और शिक्षण प्रभावशीलता में सुधार करने में सहायता कर रहे हैं।

वीएफआई ग्रुप की इस वर्ष देश में 100 'बियॉन्ड स्लीप' स्टोर खोलने की योजना

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर प्रीमियम स्लीप सॉल्यूशंस (मैट्रेस) का कारोबार करने वाले वीएफआई ग्रुप ने गुरुग्राम में एक विशाल स्टोर के साथ भारत में कदम रखते हुए इस साल देश भर में अपने 100 'बियॉन्ड स्लीप' मैट्रेस एवं फर्नीचर स्टोर खोलने की घोषणा की। वीएफआई ग्रुप के सेल्स एवं मार्केटिंग डायरेक्टर सतीश कुमार मल्होत्रा ने इस अवसर पर भारतीय बाजार की संभावनाओं के प्रति उत्साह जताते हुए कहा , हमारा सपना है कि बियॉन्ड स्लीप का नाम हर घर की जुबान पर हो और हमारी योजना इसी साल पूरे भारत में 100 स्टोर खोलने की है। हम एक दमदार शुरुआत कर रहे हैं और अगले तीन वर्षों में हमारा ब्रांड 1000 करोड़ रुपये का हो यह हमारा लक्ष्य है। कंपनी ने 5000 वर्ग फुट का विशाल स्टोर डीएलएफ सिटी सेंटर, एमजी रोड, गुड़गांव में खोला है जिसमें इस जाने माने ब्रांड के उत्पाद और सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं। इसमें एक विशेष अनुभव क्षेत्र बनाए गए हैं ताकि ग्राहक उनकी चुनी हुई चीजों को वहीं जांच-परख कर देखें।

ब्लैक बॉक्स का मुनाफा 37 प्रतिशत बढ़ा, राजस्व में नौ फीसदी की गिरावट

नयी दिल्ली। एस्सार समूह की कंपनी ब्लैक बॉक्स का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 41 करोड़ रुपये के मुकाबले 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 56 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि हालांकि, आलोच्य अवधि में कंपनी का राजस्व 1655 करोड़ रुपये की तुलना में नौ प्रतिशत घटकर 1502 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने बताया कि सतत सुधार और उत्पादकता बढ़ाने के उपायों के कारण ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) और शुद्ध लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दिसंबर 2024 तक ब्लैक बॉक्स का ऑर्डर बुक 46.5 करोड़ डॉलर (करीब 3,900 करोड़ रुपये) रही। ब्लैक बॉक्स के पूर्णकालिक निदेशक संजीव वर्मा ने कहा, एआई तकनीक में तेजी से हो रही प्रगति से वैश्विक स्तर पर एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) उपकरणों की मांग में उछाल की उम्मीद है। इससे डिजिटल बुनियादी ढांचे की आवश्यकता बढ़ेगी, जिससे हाइपरस्केलर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेंटरों में भारी निवेश हो रहा है। हमें वित्त वर्ष 2029 तक दो अरब डॉलर के राजस्व लक्ष्य तक पहुंचने का पूरा भरोसा है।

शुद्ध रूप से प्रत्यक्ष कर संग्रह 15 फीसदी बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच?छी खबर है। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अबतक 14.69 फीसदी बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, 10 फरवरी तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19.06 फीसदी बढ़कर 21.88 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने जारी आंकड़ों में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अबतक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.69 फीसदी बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। आंकड़ों के अनुसार 10 फरवरी तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 19.06 फीसदी बढ़कर 21.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। सीबीडीटी के मुताबिक शुद्ध गैर-कॉर्पोरेट करों से

प्राप्त राजस्व साल-दर-साल 21 फीसदी बढ़कर करीब 9.48 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है। इसके अलावा 01 अप्रैल 2024 और 10 फरवरी 2025 के बीच शुद्ध कॉर्पोरेट कर संग्रह 6 फीसदी से अधिक बढ़कर 7.78 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया।

आंकड़ों के मुताबिक प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) से शुद्ध संग्रह वित्त वर्ष 2024-25 में अबतक 65 फीसदी बढ़कर 49,201 करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान 4.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 'रिफंड' जारी किए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 42.63 फीसदी अधिक है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित अनुमान में आयकर संग्रह 12.57 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है, जो बजट अनुमान 11.87 लाख करोड़ रुपये से ज?यादा है। संशोधित अनुमान में चालू वित्त वर्ष में प्रतिभूति सौदा कर संग्रह 55,000 करोड़ रुपये आंका गया है, जो 37,000 करोड़ रुपये के बजट अनुमान से अधिक है। इसके अलावा कंपनी कर संग्रह लक्ष्य को संशोधित कर 9.80 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया, जो बजट लक्ष्य 10.20 लाख करोड़ रुपये से कम है। इस तरह कुल मिलाकर संशोधित अनुमान में प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.37 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है, जो बजट अनुमान 22.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

जीएसटी के तहत औसत कर 15.8 फीसदी से घटकर 11.3 फीसदी हुआ: वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत अप्रत्यक्ष कर इसके लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में काफी कम हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के तहत औसत कर 15.8 फीसदी था, जो जीएसटी के तहत घटकर 11.3 फीसदी हो गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जीएसटी वर्गीकरण और कराधान के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में सदन को बताया कि जीएसटी के क्रियान्वयन के बाद से पिछले कुछ वर्षों में अप्रत्यक्ष कर में उल्लेखनीय कमी आई है।

उन्होंने कहा, पहले रोजमर्रा की वस्तुओं पर 15.8 फीसदी कर लगाया जाता था। अब जीएसटी के तहत दरें घटकर 11.3 फीसदी हो गई है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी के तहत एक भी वस्तु पर कर नहीं बढ़ा है, बल्कि कई वस्तुओं पर कर कम हुआ है। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद् में राज्य सरकारों के वित्त मंत्री एक साथ बैठकर निर्णय लेते हैं। जीएसटी परिषद में प्रत्येक वित्त मंत्री के लिए मैं यह कहना चाहूंगी कि उन्होंने प्रत्येक मद पर विस्तार से विचार किया है कि कहां दरों में कमी की जा सकती है। उन्होंने सदन को बताया कि प्रत्येक राज्य का प्रत्येक वित्त मंत्री अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा है ताकि जीएसटी को सरल बनाया जा सके।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी, 80 हजार के पार पहुंचा 22 कैरेट सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना नई ऊंचाई पर पहुंचा हुआ है। बाजार में आई तेजी के कारण 22 कैरेट सोना आज पहली बार 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये से लेकर 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 80,110 रुपये से लेकर 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट

सोने की रिटेल कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

राइट वाटर सॉल्यूशंस ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राइट वाटर सॉल्यूशंस (इंडिया) लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। ये आईपीओ 745 करोड़ का होगा। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक राइट वाटर सॉल्यूशंस (इंडिया) लिमिटेड का 2 रुपये के अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें प्रमोटरों और निवेशक विक्रय शेयरधारक द्वारा कुल 445 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में विनायक शंकरराव गण द्वारा 85 करोड़ रुपये तक के शेयर, अभिजीत विनायक गण द्वारा 90 करोड़ रुपये तक के शेयर और वाटर एक्सेस एक्सेलेरेशन फंड एसएलपी द्वारा 270 करोड़ रुपये तक के शेयर बेचने वाले शेयर शामिल हैं।

कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 225 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग

कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी की योजना इससे जुटाई गई रकम का उपयोग मुख्य रूप से वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉर्पोरेट गतिविधियों के लिए करेगी।

उल्लेखनीय है कि नागपुर स्थित एक क्लीन-टेक कंपनी जल प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता से क्लीन-टेक क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में विकसित हुई है। ये कंपनी जल प्रबंधन, सौर कृषि और आईओटी-सक्षम प्रणालियों सहित समाधानों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है, जो ग्रामीण स्थिरता और बड़े पैमाने पर निष्पादन पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करती है।

सरकार पूंजीगत व्यय के लिए 99 फीसदी उधार का उपयोग कर रही है: वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि सरकार 2025-26 में लगभग पूरी उधारी का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए कर रही है। उन?होंने कहा कि 10.3 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को 503 रुपये में एलपीजी सिरेंडर मिल रहा है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बजट का फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.3 फीसदी है। अगले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 फीसदी है। सीतारमण ने कहा कि 2014 से पहले 45 फीसदी घरों में एलपीजी कनेक्शन या स्वच्छ ईंधन नहीं था।

लेकिन, अब करीब 32 करोड़ घरों तक यानी करीब 100 फीसदी घरों तक खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि 10.3 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को 503 रुपये में एलपीजी सिरेंडर मिल रहा है। कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), निवेश और निर्यात को ग्रोथ इंजन बनाने के साथ गांवों में समृद्धि लाने पर जोर दे रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार आगामी वित्त वर्ष 2025-26 में प्रभावी पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए उधार लिए गए संसाधनों का लगभग 99 फीसदी उपयोग करने का इरादा रखती है। इस तरह वित्त वर्ष 2025-26 में क्षेत्रीय व्यय में कृषि को 1.71 लाख करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास को 2.67 लाख करोड़ रुपये, शहरी विकास और परिवहन को 6.45 लाख करोड़ रुपये, स्वास्थ्य और शिक्षा को 2.27 लाख करोड़ रुपये, रक्षा (जिसमें रक्षा पेंशन शामिल नहीं है) को 4.92 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वे इस तथ्य को उजागर करना चाहती हैं कि किसी भी पूंजीगत व्यय खाते को पैसे देने से मना नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को 2019 में 69000 करोड़ रुपये, 2022 में 1.64 लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। इसी तरह 2023 में 89047 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इससे बीएसएनएल इतना सक्षम हुआ कि उसने देश भर में 50,000 4-जी साइट स्थापित किए हैं।

देश में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 10 साल में 10 लाख होने की उम्मीद: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश में उभरते उद्यमियों के विकास को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों से अगले 10 साल में पंजीकृत सरकारी स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 10 लाख होने की उम्मीद है। फिलहाल 2016 में 450 की तुलना में 1.57 लाख पंजीकृत स्टार्टअप हैं।

केंद्रीय मंत्री ने यहां आयोजित भारत-इजराइल बिजनेस फोरम मीट को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने कहा कि हम अब दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम हैं, जो 450 पंजीकृत स्टार्टअप से बढ़कर आज नौ साल में 1.57 लाख हो गए हैं। अगले 10 सालों में हम इसे दस लाख तक ले जाने की उम्मीद करते हैं। यहां कंपनियों के लिए बड़े कारोबारी अवसर मौजूद हैं। गोयल ने कहा कि इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर एम. बरकत के साथ 'भारत-इजराइल व्यापार मंच' को संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की उल्लेखनीय विकास यात्रा और आर्थिक वृद्धि, भारत-इजराइल के बीच स्थायी रणनीतिक साझेदारी और दोनों देश कृषि-तकनीक, वित्त और उभरती हुई प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ कैसे उठा सकते हैं।

उन्होंने 'भारत के अवसर' पर प्रकाश डाला, जिसमें सहयोग, नवाचार और निवेश की अपार संभावनाएं हैं और दोनों देशों के व्यवसाय एक साथ कैसे बढ़ सकते हैं और आपसी प्रगति में योगदान दे सकते हैं। दरअसल देश में एक मजबूत परिवेश बनाने के इरादे से 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरुआत की गई थी।

जयंत चौधरी ने एनएसटीआई बेंगलुरु में नए छात्रावास भवन का उद्घाटन किया

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने यहां राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) (सामान्य), बेंगलुरु में नवनिर्मित छात्रावास भवन का उद्घाटन किया। यह छात्रावास प्रशिक्षुओं को सुरक्षित और सुगम आवासीय सुविधा प्रदान करेगा।

जयंत चौधरी ने कहा कि 2047 में विकसित भारत के संकल्प का कौशल विकास केंद्र बिंदु है। इसलिए युवाओं को भविष्य के लिए कौशलयुक्त बनाने में उच्च गुणवत्ता के प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे का विकास आवश्यक है। एनएसटीआई बेंगलुरु में छात्रावास का उद्घाटन

उत्साहपूर्ण और समावेशी स्थल उपलब्ध कराने की दिशा में एक कदम है, जहां प्रशिक्षु बाधारहित वातावरण में सीख सकते हैं। इसके साथ ही नवाचार कर सकते हैं और चौथी औद्योगिक क्रांति और विनिर्माण के साइबर-भौतिक परिवर्तन-उद्योग 4.0 के लिए अपने को तैयार कर सकते हैं। चौधरी ने कहा कि संस्थान के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत के दौरान उनमें जुनून और प्रतिबद्धता देखी और केवल ऐसी ही पहल से उन्हें और प्रेरित किया जा सकता है।

उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की महानिदेशक (प्रशिक्षण) त्रिशालजीत सेठी, औद्योगिक प्रशिक्षण एवं रोजगार विभाग की आयुक्त डॉ. रागप्रिया आर., केंद्रीय लोक निर्माण विभाग बेंगलुरु के अपर महानिदेशक एनएनएसएस राव, उप महानिदेशक (दक्षिण क्षेत्र) अनिल कुमार और क्षेत्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता निदेशालय कर्नाटक के क्षेत्रीय निदेशक एनआर अरविंदन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उल्लेखनीय हैकि कौशल विकास के लिए समावेशी और सुरक्षित आधारभूत ढांचे को बढ़ावा देने में अहम 11 करोड़ छह लाख रुपये की लागत से निर्मित और नवनिर्मित छात्रावास 3,423.23 वर्ग मीटर में स्थित है। इस तिमंजिला भवन में दो बिस्तरों वाले 30 कमरे हैं, जिनमें 60 प्रशिक्षु रह सकते हैं। उन्हें आराम, सुरक्षा और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए गए इस आवासीय केंद्र में अध्ययन कक्ष, सामुदायिक क्षेत्र और मनोरंजन कक्ष जैसी आवश्यक सुविधाएं शामिल हैं। इसका आधुनिक, ऊर्जा-दक्ष डिज़ाइन, विश्वस्तरीय कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के केंद्र सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो सभी प्रशिक्षुओं को अनुकूल प्रशिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

सीतारमण ने कहा–गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर केंद्रित बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि सरकार कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), निवेश और निर्यात को ग्रोथ इंजन बनाने के साथ गांवों में समृद्धि लाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर बजट का फोकस है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बजट ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं और व्यापक आर्थिक माहौल में बदलाव है। उन्होंने कहा कि इसका आधार कृषि, एमएसएमई और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाओं और सुधारों को प्रस्तुत करना था, जो

उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादन में सबसे पिछड़े 100 जिलों में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि वित?त वर्ष 2025-26 के लिए प्रभावी पूंजीगत व्यय 4.3 फीसदी है और राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 फीसदी है। यह दर्शाता है कि सरकार प्रभावी पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए संपूर्ण उधार संसाधनों का उपयोग कर रही है। बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि मंत्रालयों में परिचालन दक्षता में सुधार के लिए स्वतंत्रता के बाद से चौथा बड़ा कदम उठाया गया है। उन्हें छोटी-छोटी राशियों के लिए अनुमति लेने के लिए हमारे पास आना पड़ता था। मंत्रालय अब अधिक सशक्त हैं, इसलिए धन के वितरण के बारे में निर्णय जल्दी हो जाते हैं।

अमेरिकी टैरिफ नीति से व्यापार युद्ध छिड़ने के खतरे से बाजार में हाहाकार

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा से व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंका में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा भारी बिकवाली से आज शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1018.20 अंक अर्थात 1.32 प्रतिशत का गोता लगाकर 76,293.60 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 309.80 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की गिरावट लेकर 23,071.80 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 2.88 प्रतिशत कमजोर होकर 40,946.22 अंक और स्मॉलकैप 3.40 प्रतिशत लुढ़ककर 47,369.27 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4097 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 3478 में बिकवाली जबकि 525 में लिवाली हुई वहीं 94 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 44 कंपनियों में गिरावट जबकि अन्य छह में तेज़ी रही। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की, जिससे अब यह 25 प्रतिशत तक हो।

शेयर बाजार में हाहाकार, लगातार पांचवें दिन सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन दबाव की स्थिति बनी रही। आज बाजार में 1.30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई। बाजार में मचे हाहाकार के कारण निवेशकों को एक दिन में ही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। बाजार में लगातार जारी गिरावट के कारण पिछले 5 दिन में सेंसेक्स में करीब 2,300 अंक की गिरावट आ चुकी है। आज दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.32 प्रतिशत और निफ्टी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स में आज 1.12 प्रतिशत से लेकर 2.78 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 408.50 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 9.32 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,097 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 525 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,478 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 231 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,386 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 1 शेयर बढ़त के साथ और 29 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 73.18 अंक की मजबूती के साथ 77,384.98 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दोपहर 1 बजे के करीब बाजार में बिकवाली काफी तेज हो जाने से थोड़ी ही देर में सेंसेक्स 1,281.21 अंक लुढ़क कर 76,030.59 अंक तक पहुंच गया। हालांकि अंत में हुई मामूली खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 250 अंक से अधिक की रिकवरी करके 1,018.20 अंक की कमजोरी के साथ 76,293.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 1.95 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 23,383.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक फिसल कर लाल निशान में पहुंच गया।

निजी विमान की बिजनेस जेट से टक्कर, एक व्यक्ति की मौत, चार घायल

एजेंसी

एरिजोना । अमेरिका के एरिजोना में स्कॉट्सडेल एयरपोर्ट पर एक छोटा निजी जेट विमान एक प्लेन से टकरा गया। हादसे में एक शख्स की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को हुई दुर्घटना में मोटली क्रू के फ्रंटमैन विंस नील के स्वामित्व वाला 'लीयरजेट 35A' शामिल था। हालांकि, हादसे के वक्त नील विमान में नहीं थे, उनके प्रतिनिधि वॉरिक रॉबिन्सन ने सीएनएन को यह जानकारी दी। विमान ने कथित तौर पर लैंडिंग के समय एक खड़े 'गल्फस्ट्रीम 200' बिजनेस जेट को टक्कर मार दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान के उतरते ही उसका बायां मुख्य गियर फेल हो गया, जिससे टक्कर हो गई। विमान ने ऑस्टिन, टेक्सास से उड़ान भरी थी। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बचावकर्मियों ने घटनास्थल पर घायलों को प्राथमिक मेडिकल सहायता दी। एक व्यक्ति को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया और तीन अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्कॉट्सडेल फायर डिपार्टमेंट के कैप्टन डेव फोलियो के अनुसार, एक व्यक्ति ने मेडिकल मदद लेने से इनकार कर दिया। सोशल मीडिया पर मोटले क्रू द्वारा पोस्ट किए गए प्रारंभिक बयान में दावा किया गया कि मृतक पायलट था तथा घायल यात्रियों में नील की प्रेमिका और उसका एक मित्र भी शामिल थे।

6 अमेरिकी सांसदों ने अदाणी ग्रुप पर डीओजे की कार्रवाई की जांच करने की मांग उठाई

वाशिंगटन । छह अमेरिकी सांसदों ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को कड़े शब्दों में एक पत्र लिखा है, जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (डीओजे) द्वारा अदाणी ग्रुप के अधिकारियों के खिलाफ अभियोग की जांच की मांग की गई है। छह अमेरिकी सांसदों, जिसमें लांस गूडेन, पैट फालोन, माइक हैरिडोपोलोस, ब्रैंडन गिल, विलियम आर टिममन्स और ब्रायन बाबिन शामिल हैं, ने पत्र में कहा कि डीओजे की कार्रवाई गुमराह करने वाली थी। इसमें भारत जैसे रणनीतिक सहयोगी के साथ अमेरिका के संबंधों को नुकसान पहुंचने का जोखिम था। अमेरिकी सांसदों ने पत्र में लिखा, ÷यह मामला इस आरोप पर आधारित है कि इस कंपनी के सदस्यों द्वारा विशेष रूप से भारत में स्थित भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने की तैयारी की गई थी। मामले को उचित भारतीय अधिकारियों को देने के बजाय बाइडन डीओजे ने कंपनी के अधिकारियों को दोषी ठहराने का फैसला किया।÷ सांसदों ने पत्र में आगे लिखा कि किसी मामले को इस तरह से आगे बढ़ाने का कोई अनिवार्य कारण नहीं था जो भारत जैसे सहयोगी के साथ संबंधों को जटिल बना सके, जब तक कि कुछ बाहरी कारक इसमें शामिल न हों।

अमेरिका के विदेशी सहायता निलंबित करने से मानवीय अभियानों पर गंभीर असर पड़ाः संरा

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका की ओर से विदेशी सहायता निलंबित किए जाने से डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय अभियानों पर गंभीर असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वी डीआरसी में सुरक्षा और मानवीय स्थिति बेहद अस्थिर बनी हुई है। उत्तरी किवु और दक्षिण किवु दोनों प्रांतों में बढ़ते सशस्त्र संघर्ष, बड़े पैमाने पर विस्थापन और बढ़ती असुरक्षा के कारण स्थिति और खराब हो रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप विशेष प्रतिनिधि एवं डीआरसी के निवासी तथा मानवीय समन्वयक ब्रूनो लेमारक्विस ने राजधानी किंशासा से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पत्रकारों से कहा कि अमेरिका द्वारा विदेशी सहायता निलंबित किए जाने का देश में मानवीय सहायता अभियानों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, अमेरिकी फंडिंग पर निर्भरता का मतलब है कि बहुत सारे कार्यक्रमों को उन सभी चीजों को बंद करना होगा, जिसमें आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और आपातकालीन आश्रय शामिल हैं।

अंगोला में हैजा के प्रकोप से 110 से अधिक लोगों की मौत

लुआंडा। अंगोला में जनवरी की शुरुआत में प्रकोप शुरू होने के बाद से हैजा के 3,402 मामले और 114 मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दैनिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। अंगोला में एक फरवरी से प्रतिदिन 100 से अधिक नए हैजा के मामले सामने आ रहे हैं, जो 8 फरवरी को 295 पर पहुंच गये । हालांकि, संक्रमण की पुष्टि के लिए प्रयोगशाला परीक्षण सीमित है, प्रति दिन केवल 20 नमूनों का विश्लेषण किया जाता है। सात जनवरी को फैलने के बाद से यह बीमारी कई प्रांतों में फैल गई है, जिसमें लुआंडा और पड़ोसी बेंगो प्रांत सबसे अधिक प्रभावित हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय के महामारी विज्ञान बुलेटिन के अनुसार, 925,000 से अधिक लोगों को हैजा के खिलाफ टीका लगाया गया है, जो लक्षित आबादी का 86 प्रतिशत है।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हो सकती है पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस की मुलाकात

एजेंसी

ढाका । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। यह सम्मेलन 2 से 4 अप्रैल तक थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित होगा। हालांकि अभी तक इस बैठक को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बांग्लादेश के अधिकारियों का मानना है कि दोनों नेता इस मंच का इस्तेमाल द्विपक्षीय वार्ता के लिए कर सकते हैं। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 1997 में हुई थी। पहले इसे बीआईएसटी-ईसी कहा जाता था, जिसमें बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल थे। बाद में म्यांमार, भूटान और नेपाल के भी सदस्य बनने से इसका नाम बदलकर बिम्सटेक कर दिया गया। यह संगठन दक्षिण एशियाई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच सहयोग बढ़ाने

का काम करता है। सार्क के निष्क्रिय होने के बाद भारत ने इस संगठन को अधिक महत्व देना शुरू किया, जिससे यह क्षेत्रीय सहयोग का एक प्रमुख मंच बन गया। इस शिखर सम्मेलन के दौरान बांग्लादेश बिम्सटेक का अगला अध्यक्ष बनेगा।

संगठन के महासचिव इंद्रमणि पांडे के अनुसार, यह भूमिका बांग्लादेश को सदस्य देशों के साथ मिलकर आर्थिक और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर देगी। इससे देश को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का भी मौका मिलेगा। बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध हाल के महीनों में तनावपूर्ण रहे हैं। 5 अगस्त को हुए तख्तापलट में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाया गया, जिसके बाद उन्होंने भारत में शरण ली। इस घटना के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में गिरावट आई है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के आने के बाद से हिंसा और अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे भारत ने चिंता जताई है। ऐसे में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन को दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने का एक मौका माना जा रहा है। अगर मोदी और यूनुस की मुलाकात होती है, तो इससे कूटनीतिक मतभेद कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार लोकतंत्र बहाली और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाती है।

अफगानिस्तान में बैंक के बाहर विस्फोट, 25 की मौत, 30 घायल

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी शहर कुंदुज में काबुल बैंक की शाखा के बाहर सुबह हुए विस्फोट में 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 30 अन्य घायल हुए हैं। अफगान मीडिया ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। अमु टीवी ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि विस्फोट में मारे गए लोगों में से अधिकांश तालिबान के सदस्य थे। सूत्रों ने पुष्टि की कि मारे गए लोगों में कुंदुज के पुलिस जिले 4 के तालिबान सुरक्षा कमांडर जकारिया भी शामिल हैं। तालिबान पुलिस ने कहा कि मंगलवार सुबह शहर में काबुल बैंक की शाखा के बाहर हुआ विस्फोट एक आत्मघाती बम विस्फोट था, जिसमें नागरिकों और तालिबान सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे हुआ। मृतकों के शवों को तालिबान के 217 ओमारी कोर क्लिनिक में ले जाया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला तालिबान की तरफ से अपने सैन्य

और सुरक्षा कर्मियों को वेतन लेने के लिए बैंकों से दूर रहने और इसके बजाय निर्दिष्ट स्थानों का इस्तेमाल करने का आदेश देने के हफ्तों बाद हुआ है। किसी भी समूह ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

भारत करेगा अगली एआई एक्शन समिट की मेजबानी, पीएम मोदी ने जताई खुशी

एजेंसी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई एक्शन समिट की गति बढ़ाने के लिए भारत की ओर से अगली समिट का आयोजन करना खुशी की बात है। अपने समापन संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज की चर्चा से एक बात सामने आई है कि सभी पक्षकारों के दृष्टिकोण और उद्देश्य में एकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं एआई फाउंडेशन और काउंसिल फॉर सस्टेनेबल एआई की स्थापना के फैसले का स्वागत करता हूं।

उन्होंने कहा, मैं इन पहलों के लिए फ्रांस और मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को बधाई देता हूं और हमारे पूर्ण समर्थन का आश्वासन देता हूं। प्रधानमंत्री ने एआई के लिए वैश्विक साझेदारी बनाने का सुझाव दिया। इससे पहले एआई एक्शन समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत सार्वजनिक भलाई के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एप्लीकेशन विकसित कर रहा है और देश के पास दुनिया का

सबसे बड़ा एआई टैलेंट पूल है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि भारत अपनी विविधता को देखते हुए अपना स्वयं का लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) बना रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया, कंप्यूटिंग पावर जैसे संसाधनों को एकत्रित करने के लिए हमारे पास एक यूनिक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल भी है। यह हमारे स्टार्ट-अप और शोधकर्ताओं को किफायती कीमत पर उपलब्ध कराया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, एआई स्वास्थ्य, कृषि और अन्य के जरिए लाखों लोगों की जिंदगी को बदल सकता है। यह एक ऐसी दुनिया बनाने में मदद कर सकता है जिसमें सतत विकास लक्ष्यों की यात्रा आसान और तेज हो जाएगी। एआई के कारण नौकरियां खत्म होने की बहस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि टेक्नोलॉजी के कारण काम खत्म नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा, नौकरियों के प्रकार बदल जाते हैं और नई तरह की नौकरियां पैदा होती हैं। हमें इसके लिए स्किल और रिस्किलिंग में निवेश करना होगा, जिससे एआई से संचालित होने वाले भविष्य के लिए लोग तैयार हो सकें।

प्रधानमंत्री मोदी की एस्टोनियाई राष्ट्रपति से मुलाकात

एजेंसी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस ने पेरिस में एआई एक्शन समिट के दौरान मुलाकात की। दोनों नेताओं ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में चल रहे द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। अपनी पहली बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और एस्टोनिया के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध लोकतंत्र, स्वतंत्रता, बहुलवाद के मूल्यों के प्रति दोनों देशों की साझी प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, आईटी, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एस्टोनियाई सरकार और कंपनियों को डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। बयान में विस्तार से बताया गया, दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों और संयुक्त राष्ट्र में सहयोग पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी और एस्टोनिया के राष्ट्रपति ने दोनों

देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक और लोगों के बीच रिश्तों पर संतोष व्यक्त किया। पीएमओ ने कहा, इस संबंध में प्रधानमंत्री ने एस्टोनिया में योग की लोकप्रियता की सराहना की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई एक्शन समिट के दौरान अपने संबोधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत सी चीजों को बेहतर बना कर लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है। पेरिस के ग्रैंड पैलेस में आयोजित सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, शासन का मतलब सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करना भी है, खास तौर पर ग्लोबल साउथ में। एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बहुत सी चीजों को बेहतर करके लाखों लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, एआई एक ऐसी दुनिया बनाने में मदद कर सकता है जिसमें विकास लक्ष्यों की यात्रा आसान और तेज हो जाए। ऐसा करने के लिए, हमें संसाधनों और प्रतिभाओं को एक साथ लाना होगा। हमें ओपन-सोर्स सिस्टम विकसित करना होगा जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाए। हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त गुणवत्तापूर्ण डाटा सेट बनाना होगा...।

ट्रंप प्रशासन ने खींचा हाथ, अब बर्ड फ्लू को लेकर अमेरिका से जानकारी साझा करना बना चुनौती : डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

जिनेवा । अमेरिका के विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से हटने के कारण बर्ड फ्लू के प्रकोप से जुड़ी जानकारी साझा करने में कठिनाई हो रही है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता क्रिश्चियन लिंडमियर ने जिनेवा में एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि अमेरिका के साथ कम्युनिकेशन एक बड़ी चुनौती बन गया है क्योंकि पारंपरिक संपर्क के तरीके अब खत्म हो चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। अप्रैल 2024 में अमेरिका में एच5एन1 बर्ड फ्लू का प्रकोप सामने आया था, जिसमें अब तक लगभग 70 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें ज्यादातर खेतों में काम करने वाले मजदूर हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने बताया कि अब तक इस वायरस के मानव-से-मानव संक्रमण के कोई सबूत नहीं मिले हैं और आम जनता के लिए जोखिम कम है। लेकिन जो लोग पक्षियों,

मुर्गियों या मवेशियों के संपर्क में रहते हैं, उनमें संक्रमण का खतरा अधिक है। डब्ल्यूएचओ से अमेरिका के हटने के फैसले को लेकर चिंता जताई जा रही है, खासकर नई बीमारियों और वायरस के बारे में जानकारी साझा करने के मामले में। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण के दिन एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर निकाल दिया। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कुछ देशों ने इस बात को लेकर चिंता जताई है कि अमेरिका भविष्य में वायरस से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करना बंद कर सकता है। ऐसा होने पर, किसी भी नए वायरस के प्रसार को रोकने में दिक्कतें आ सकती हैं। हाल ही में अमेरिकी राज्य नेवादा में डेयरी मवेशियों में बर्ड फ्लू का एक नया प्रकार मिला है, जिससे स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। वैज्ञानिकों को डर है कि यह संक्रमण और ज्यादा फैल सकता है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि डब्ल्यूएचओ ने कोविड महामारी को सही तरीके से नहीं संभाला और अमेरिका को संगठन को जरूरत से ज्यादा पैसा देना पड़ता था। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका से अधिक धन लिया जाता था, जबकि चीन जैसे अन्य बड़े देश कम योगदान देते थे। अमेरिका लंबे समय से डब्ल्यूएचओ का सबसे बड़ा वित्तीय सहयोगी रहा है। 2022 और 2023 में अमेरिका ने संगठन को 1.28 अरब डॉलर दिए, जो जर्मनी के 400 मिलियन डॉलर अधिक था। डब्ल्यूएचओ को उम्मीद है कि अमेरिका इस फैसले पर फिर से विचार करेगा, जिससे दुनिया भर के लोगों का कल्याण होगा।

ब्रिटेन में 'ट्रंप प्रशासन जैसा' एक्शन, अवैध प्रवासियों को भेजा गया वापस, देश भर में छापेमारी

एजेंसी

लंदन । अमेरिका की तरह ब्रिटेन भी अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की मुहिम जुटा है। हालांकि ऐसा लगता है कि इस मामले वह ट्रंप प्रशासन से खासा प्रभावित हुआ है। गृह मंत्रालय ने अवैध प्रवासियों को उनके गृह देशों में निर्वासित किए जाने का वीडियो जारी किया। बता दें ट्रंप प्रशासन भी अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख अपना रहा है और उन्हें देश से बाहर भेजने की कार्रवाई के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी कर रहा है। ब्रिटिश गृह मंत्रालय ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, संगठित आव्रजन अपराध दुनिया भर में एक बढ़ता हुआ खतरा है। मार्च में, यूके एक सीमा सुरक्षा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रवासी-तस्करी से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, कानून प्रवर्तन भागीदारों और वैश्विक संस्थानों को एक साथ लाया जाएगा। मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद से लगभग 19,000 असफल शरणार्थियों, विदेशी अपराधियों और अन्य आव्रजन अपराधियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप और दक्षिण अमेरिका के देशों में वापस भेजा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के दायरे में भारतीय रेस्तरां, नेल बार, स्टोर और कार वॉश तक आए।

इनमें बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों के काम करने की शिकायत मिली थी। गृह सचिव यवेट कूपर ने कहा कि उनके विभाग की आव्रजन प्रवर्तन टीमों ने जनवरी में 828 परिसरों पर छापे मारे, जो पिछले साल की तुलना में 48 फीसदी ज्यादा है । वहीं 609 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो पिछले साल की तुलना में 73 प्रतिशत ज्यादा है।

रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने महाभियोग की योजना के बीच दिया इस्तीफा

एजेंसी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं इस रूम में एक अद्भुत ऊर्जा, उत्साह को महसूस कर रहा हूं। ये सिर्फ एक बिजनेस इवेंट नहीं है, बल्कि भारत और फ्रांस के बेस्ट बिजनेस माइंड का संगम है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए इनोवेट, कोलैबोरेट और इंटीग्रेटेड का मंत्र दिया। उन्होंने कहा, मैं शिखर सम्मेलन की रिपोर्ट का स्वागत करता हूं। मैं देख रहा हूं कि आप सभी इनोवेट, कोलैबोरेट और इंटीग्रेटेड के मंत्र के साथ काम कर रहे हैं। आप सिर्फ संबंध ही नहीं बना रहे हैं, बल्कि भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत कर रहे हैं। राष्ट्रपति मैक्रों के साथ इस शिखर

सम्मेलन में शामिल होना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। पिछले दो वर्षों में यह हमारी छठी बैठक है। पिछले साल राष्ट्रपति मैक्रों हमारे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि थे। आज सुबह हमने एक साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। मैं इस सफल शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति मैक्रों को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने 2047 रोडमैप का जिक्र करते हुए कहा, 'भारत और फ्रांस केवल लोकतांत्रिक मूल्यों से ही नहीं जुड़े हैं। हमारी दोस्ती की नींव डीप ट्रस्ट, इनोवेशन और जन कल्याण की भावना पर आधारित है। हमारी साझेदारी केवल दोनों देशों तक ही सीमित नहीं है। हम वैश्विक समस्याओं और चुनौतियों के समाधान में मिलकर सहयोग दे रहे हैं। मेरी पिछली यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी के लिए 2047 रोडमैप बनाया था। उस पर चलते हुए हम हर क्षेत्र में सहयोग को व्यापक तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारत-फ्रांस सीईओ फोरम के दौरान कहा, हमने स्थिर और पूर्वानुमानित नीति का एक इको-सिस्टम स्थापित किया है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मार्ग पर चलते हुए आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में काम कर रहे हैं।

तस्लीमा नसरीन की किताब के प्रकाशन से चिढ़े कट्टरपंथी, पुस्तक मेले में बुक स्टॉल पर पर हमला

एजेंसी

ढाका । ढाका में चल रहे 'अमर एकुशे' पुस्तक मेले में एक बुक स्टॉल पर उग्र भीड़ ने हमला किया। हमला करने वाले बांग्लादेशी लेखिका और नारीवादी तस्लीमा नसरीन की लिखी गई पुस्तकों को प्रकाशित करने और उन्हें मेले में प्रदर्शित करने से नाराज थे। अंतरिम सरकार ने घटना की निंदा करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। सोशल मीडिया पर हिंसक भीड़ द्वारा बुक स्टॉल पर हमला करने की क्लिप वायरल हो रही है।

तस्लीमा नसरीन ने सोमवार को अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए हमला करने वालों को जिहादी धार्मिक चरमपंथी बताया और सरकार पर उनका समर्थन करने का आरोप लगाया। लेखिका ने लिखा, आज, जिहादी धार्मिक चरमपंथियों ने बांग्लादेश के पुस्तक मेले में प्रकाशक सव्यसाची के स्टॉल पर हमला किया। उनका अपराध मेरी पुस्तक प्रकाशित करना था। पुस्तक मेला अधिकारियों और स्थानीय स्टेशन की पुलिस ने मेरी पुस्तक को हटाने का आदेश दिया। इसे हटाए जाने के बाद भी, चरमपंथियों ने हमला किया, स्टॉल पर तोड़फोड़ की और इसे बंद कर दिया। सरकार इन चरमपंथियों का समर्थन कर रही है, और देश भर में जिहादी गतिविधियां फैल रही हैं।

पोस्ट में उन्होंने लिखा, %कल बांग्लादेश में पुस्तक मेले में मेरे प्रकाशक शताब्दी वोबो पर जिहादियों ने हमला किया। उनका अपराध था मेरी किताबें छापना और बेचना।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि वह भीड़ के हमले की निंदा करते हैं। उन्होंने इसे बांग्लादेशी नागरिकों के अधिकारों और देश के कानून की अवमानना ??बताया मुहम्मद यूनुस ने पुलिस और बांग्ला अकादमी को हिंसक हमले की जांच शुरू करने और 'दोषियों को सजा दिलाने' का आदेश दिया है। अंतरिम सरकार ने भविष्य में इस तरह के हमले को रोकने के लिए पुस्तक मेले में सुरक्षा बढ़ाने को भी कहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक चश्मदीद ने बताया, प्रदर्शनकारियों का एक समूह सव्यसाची प्रकाशन में आया। वे चिल्लाने लगा कि तस्लीमा नसरीन की किताब स्टॉल में क्यों रखी गई है। बाद में प्रकाशक शताब्दी वोबो पर लोगों ने हमला कर दिया और तस्लीमा की किताब फेंक दी। तस्लीमा नसरीन भारत में निर्वासन में रह रही हैं।

मार्सिले पहुंचे मोदी, वीर सावरकर और उनकी आजादी की लड़ाई को किया याद

मार्सिले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बुधवार तड़के बंदरगाह शहर मार्सिले पहुंचे। दोनों यहां एक नए भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे और विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि भी देंगे। श्री मोदी ने कहा कि मार्सिले का विशेष महत्व है क्योंकि यहीं पर स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर ने ब्रिटिश अधिकारियों की कैद से भागने का साहसी प्रयास किया था। उन्होंने उस समय के फ्रांसीसी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने मांग की थी कि उन्हें ब्रिटिश हिरासत में नहीं सौंपा जाए।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों और मैं थोड़ी देर पहले मार्सिले पहुंचे। इस यात्रा में भारत और फ्रांस को और जोड़ने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे। जिस भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया जा रहा है, वह लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करेगा। मैं प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करूंगा। उन्होंने कहा, भारत की स्वतंत्रता की खोज में यह शहर विशेष महत्व रखता है। यहीं पर महान वीर सावरकर ने कैद से भाग निकलने का साहसी प्रयास किया था। मैं मार्सिले के लोगों और उस समय के फ्रांसीसी कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मांग की कि उन्हें ब्रिटिश हिरासत में नहीं सौंपा जाए। वीर सावरकर की वीरता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

बांग्लादेश में जून 2026 तक आम चुनाव की संभावना

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह दिसंबर 2025 से जून 2026 के बीच देश में आम चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने यहां कहा, (अंतरिम सरकार के) मुख्य सलाहकार ने पिछले साल 16 दिसंबर को अपने भाषण में उल्लेख किया था कि यदि चुनाव न्यूनतम सुधारों और राजनीतिक सहमति के साथ कराए जाने हैं, तो वे दिसंबर 2025 तक हो सकते हैं। हालांकि, यदि अधिक व्यापक सुधारों की आवश्यकता है, तो चुनाव जून 2026 तक हो सकते हैं।

वह ढाका में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) सहित 18 विकास भागीदार देशों के राजदूतों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, सनाउल्लाह ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में आयोग किसी अन्य चुनाव की तैयारी नहीं कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि सरकार निर्णय लेती है, तो आयोग राष्ट्रीय चुनावों से पहले स्थानीय सरकार के चुनाव आयोजित करने के लिए तैयार है। पिछले साल अगस्त में एक बड़े राजनीतिक तख्तापलट में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अनौपचारिक रूप से देश छोड़ने को वैश्विक स्तर पर देश की

लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

हालांकि, शेख हसीना को हटाने के बाद 8 अगस्त 2024 को मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया था, लेकिन बांग्लादेश में हुई सामूहिक हिंसा ने न केवल उसके कमजोर लोकतंत्र को झटका दिया, बल्कि एक धर्मनिरपेक्ष राज्य होने की संभावना को भी धक्का पहुंचाया। अंतरिम सरकार को कट्टरपंथी और चरमपंथी इस्लामी संगठनों को आश्रय देने के लिए भी भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में किसी भी तरह के असंतोष को सबसे क्रूर तरीके से दबाया गया है। देश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के उत्पीड़न की कई घटनाएं सामने आई हैं पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी ने भी मौजूदा शासन के लिए कठिन समय का संकेत दिया है। ट्रंप 2.0 प्रशासन ने लोकतांत्रिक और चुनावी सुधारों पर अपना रुख पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है। बांग्लादेश में अमेरिकी प्रभारी ट्रेसी जैकबसन ने स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में यूनुस से मुलाकात की। वाशिंगटन ढाका को एक स्थिर और लोकतांत्रिक भविष्य की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है।

पशुपालन एक उभरता हुआ व्यवसाय

आज के समय में पशुपालन एक बहुत ही उभरता हुआ व्यवसाय है। पशुपालन भी कृषि व्यवसाय की एक शाखा है जिसमे कई प्रकार के पशुओं को उनके दूध, अंडे व अन्य उत्पादों के लिए पाला जाता है। पशु पालन के लिए आप को पशु पालन की जानकारी होना अति-आवश्यक है। यहाँ पर आप जानेंगे कुछ टिप्स जिनसे आप पशुपालन जैसे की भैंस, मुर्गी, भेड़, बकरी पालन आदि अच्छे से कर सकें व अधिक मुनाफा कमा सकें। ख़ास तौर पर भैंस और बकरी पालन के व्यवसाय में, जहाँ आपको पशु का दूध व माँस बेच कर मुनाफा होता है। आपको अपने पशु की नस्ल का चुनाव काफ़ी ध्यान से करना चाहिए। हर नस्ल का पशु अच्छा एवं ज्यादा दूध नहीं दे सकता। इसलिए आप पशु की नस्ल चुनते समय सावधानी बरतें। अपने पशु को अच्छे पोषण वाला आहार ही दें। अगर आप भी पशु पालन व्यवसाय से जुड़ने का मन बना रहे हैं तो आपको यह बात समझनी चाहिए की यदि आप अपने पशुओं को अच्छा चारा व दाना पानी देते हैं तो उससे न केवल उनकी सेहत अच्छी रहती है बल्कि पशु की उत्पादक क्षमता भी कई गुना बढ़ जाती है। पशु पालन करते समय आप अपने पशु को सही मात्रा में पोषण वाला आहार ही खिलाएं जिस से आपके पशु का स्वस्थ्य भी अच्छा रहेगा और आपको मुनाफा भी अधिक प्राप्त होगा।

पशु का आवास जितना अधिक स्वच्छ होगा उतना ही आपके पशु को बीमारी का खतरा कम रहता है। पशुओं को नियमित रूप से नहलाएँ और उनके आवास के लिए किसी ऊँची जगह का चयन करें जिस से बारिश एवं नालिओं का पानी, मल-मूत्र इत्यादि से वह बाहर रह सकें। आपके पशु के आवास में कम से कम दो से तीन जगह से अच्छी धुप आनी चाहिए। आवास में धुप के आने से न केवल वहाँ के कीटाणु मरते हैं बल्कि आपके पशु का स्वास्थ भी अच्छा रहता है।

पशु आवास में पशु के लिए पानी एवं खाने की उपलब्धता का भी ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। डेरी के कामो में वैसे भी पानी की काफी जरूरत होती है और ख़ास तौर पे गर्मी के मौसम में आपको पशु के लिए पानी उचित मात्रा में जरूर रखना चाहिए।

पशु पालन में अपने पशु के स्वस्थ्य का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। पशु पालन में सबसे जरूरी बात यह होती है के आप अपने पशु को सही समय आने पर उसे सभी आवश्यक टीके लगवाएं, उसको लू लगने से बचाएं, चारा पर्याप्त मात्रा में दे ताकि उसका स्वास्थ ठीक बना रहे।

अगर आपका पशु कभी बीमार होता है, या आपको वह कुछ सुस्त दिखाई देता है तो तुरंत उसे जानवरों के डॉक्टर को दिखायें। ऐसा हो सकता है की उसकी तबियत ज्यादा खराब हो। कभी भी जानवर के बीमार होने पर खुद उसका इलाज करने की कोशिश न करें, यह आपके पशु के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अपने पशु को बेचने के लिए सही समय आने का इंतजार करें। अच्छी नस्ल वाले पशु को सही समय आने पर काफ़ी अच्छे दामों में बेचा जा सकता है। जैसे की अगर आप बकरी पालन करते हैं तो बकरीद के समय पे अपनी बकरी को अच्छे मुनाफे पर बेच भी सकते हैं। अगर आप बाजार में पशु का दूध बेचना चाहते हैं तो आपको काफ़ी अच्छा मुनाफा हो सकता है। पर अगर आप अपने पशु उत्पाद में पानी या किसी और चीज़ की मिलावट करेंगे तो वह आपके व्यवसाय के लिए हानिकारक हो सकता हैं। पशु उत्पादों में मिलावट करने से आपका मुनाफा तो बढ़ जाता है लेकिन मिलावट करने पर आपके ग्राहक आपके उत्पादों को नापसंद करने लगेंगे व आपके खिलाफ शिकायत भी हो सकती है। अगर आप सघन पशुपालन या आशय पशुपालन करना चाहते हैं तोह आपको अपने स्वस्थ का भी उचित ध्यान रखना पड़ेगा वर्ण आप जानवरों से होने वाले रोगों के शिकार बन सकते हैं। टीबी ऐसे रोगों में से एक उदाहरण हैं। जानवरों के मल में पैदा होने वाले बैक्टीरिया और उनमे बैठने वाली मक्खियां आपको बहुत बीमार कर सकती हैं। सरकार की तरफ से कृषि उद्धार के लिए किसान हेल्प लाइन जैसी कई सेवाएं शुरू की गयी हैं। आप इन सेवाओं का लाभ आप अपनी भाषा में मुफ्त उठा सकते हैं। यह सुविधा 24×7 चालु रहती है तो कभी अगर आपको पशु पालन से सम्बंधित कोई भी परेशानी हो तो देर किये बिना किसान हेल्प लाइन पे कॉल लगाएं। किसान हेल्प लाइन नंबर है 1551 या 1800-180-1551. पशुओं से अधिकतम दुग्ध उत्पादन प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रर्याप्त मात्रा में पौष्टिक चारे की आवश्यकता होती है। इन चारों को पशुपालक या तो स्वयं उगाता हैं या फिर कहीं और से खरीद कर लाता है। चारे को अधिकांशतः हरी अवस्था में पशुओं को खिलाया जाता है तथा इसकी अतिरिक्त मात्रा को सुखाकर भविष्य में प्रयोग करने के लिए भंडारण कर लिया जाता है। ताकि चारे की कमी के समय उसका प्रयोग पशुओं को खिलाने के लिए किया जा सके। इस तरह से भंडारण करने से उसमें पोषक तत्व बहुत कम रह जाते है। इसी चारे का भंडारण यदि वैज्ञानिक तरीके से किया जाए तो उसकी पौष्टिकता में कोई कमी नहीं आती तथा कुछ ख़ास तरीकों से इस चारे को उपचारित करके रखने से उसकी पौष्टिकता को काफी हद तक बढ़ाया भी जा सकता है। चारों को भंडारण करने की निम्न विधियाँ है। हे बनाने के लिए हरे चारे या घास को इतना सुखाया जाता है जिससे की उसमें नमी की मात्रा 15-20 प्रतिशत तक ही रह जाए। इससे पादप कोशिकाओं तथा जीवाणुओं की एन्जाइम क्रिया रुक जाती है लेकिन इससे चारे की पौष्टिकता में कमी नहीं आती, हे बनाने के लिए लोबिया, बरसीम, रिजका, लेग्यूम्स तथा ज्वार, नेपियर, जवी, बाजरा, ज्वार, मक्की, गिन्नी अंजन आदि घासों का प्रयोग किया जाता है लेग्यूम्स घासों में सुपाच्य तत्व अधिक होते हैं तथा इसमें प्रोटीन व विटामिन ए डी व ई भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते है। दुग्ध उत्पादन के लिए ये फसलें बहुत उपयुक्त होती हैं। हे बनाने के लिए चारा सुखाने हेतु निम्नलिखित तीन विधियों में से कोई भी विधि अपनाई जा सकती है। जब चारे की फसल फुल आने वाली अवस्था में होती है तो उसे काटकर परतों में पूरे खेत में फैला देते हैं तथा बीच-बीच में उसे पलटते रहते हैं जब तक की उसमें पानी की मात्रा लगभग 15त्न तक न रह जाए। इसके बाद इसे इकट्ठा कर लिया जाता है तथा ऐसे स्थान पर जहां वर्षा का पानी न आ सके इसका भंडारण कर लिया जाता है। इसमें चारे को काटकर 24 घंटों तक खेत में पड़ा रहने देते हैं इसके बाद इसे छोटी-छोटी ढेरियों अथवा गट्ठरों में बाँध कर पूरे खेत में फैला देते हैं। इन गट्ठरों को बीच-बीच में पलटते रहते हैं जिससे नमी की मात्रा घट कर लगभग 18त्न तक हो जाए। जहां भूमि अधिक गीली रहती हो अथवा जहां वर्षा अधिक होती हो ऐसे स्थानों पर खेतों में तिपाइयां गाढ़कर चारे की फसलों को उन पर फैला देते हैं इस प्रकार वे भूमि के बिना संपर्क में आए हवा व धूप से सूख जाती है कई स्थानों पर घरों की छत पर भी घासों को सुखा कर हे बनाया जाता है। सूखे चारे जैसे भूसा तुड़ीपुराल आदि में पौष्टिक तत्व लिगनिन के अंदर जकड़े रहते है जोकि पशु के पाचन तन्त्र द्वारा नहीं किए जा सकते इन चारों को कुछ रासायनिक पदार्थो द्वारा उपचार करके इनके पोषक तत्वों को लिगनिन से अलग कर लिया जाता है इसके लिए यूरिया उपचार की विधि सबसे सस्ती तथा उत्तम है।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव को दूर करने के उपाय

सी एम शर्मा

किसी स्थान का मौसम असल में उस स्थान के तापमान, बादलों की दशा, हवा में नमी आदि से सम्बंधित है। मौसम का सम्बन्ध हमारे वातावरण में रोजाना होने वाले बदलावों से है।

ये मौसम सब जगहों पर एक जैसा नहीं रहता। किसी एक जगह पर मौसम गर्म और तेज़ धूप वाला हो सकता है वहीं उसी समय किस दूसरी जगह ठंडी हवाओं और बर्फबारी वाला मौसम हो सकता है। वायुमंडल की दशाएं मौसम को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव-

प्रतिकूल मौसम फसलों को अंकुरण से लेकर उन के भंडारण तक की क्रियाओं को प्रभावित करता है जिससे उत्पादकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस शीर्षक के अंतर्गत हम मौसम की उन दशाओं का वर्णन करेंगे, जो फसलों पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

त्रुटियुक्त वर्षा - वर्षा की निम्नलिखित तीन अवस्थाएं फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं-

अनावृष्टि - वर्षा का बहुत कम होना या बिल्कुल ना होना अनावृष्टि कहलाता है। ऐसी अवस्था में खरीफ की फसलें बिल्कुल बर्बाद हो जाती हैं। केवल ऐसे क्षेत्रों को छोड़कर जहां सिंचाई की सुविधाएं हैं, फसलें सूख जाती हैं और अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तथा रबी की फसलों की बुवाई भी अधिकतर क्षेत्रों में नहीं हो पाती।

अतिवृष्टि - वर्षा का आवश्यकता से अधिक होना अतिवृष्टि कहलाता है वर्षा की इस अवस्था से नदियों में बाढ़ आ जाती है जिससे फसलें बह जाती हैं या पानी में डूबकर सड़ जाती हैं। दूसरे, जो क्षेत्र गहरे होते हैं तथा जल निकासी की व्यवस्था नहीं होती है वहां पर अधिक दिनों तक पानी भरा रहता है जिसके कारण पौधों की जड़े गल जाती है। इससे खरीफ की फसलों में भारी हानि होती है तथा रबी की फसल पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है क्योंकि जमीन की समय पर जुताई नहीं हो पाती है जिससे रबी की फसल की बुवाई देर से होती है।

असमय वृष्टि - जब वर्षा ठीक समय पर ना होकर ऐसे समय पर होती है जब वर्षा की आवश्यकता न हो तो ऐसी वर्षा को असमय वृष्टि कहते हैं। ऐसी वर्षा फसलों की बुवाई, अंकुरण पौधों की वृद्धि तथा पकाई और भंडारण जैसी सभी क्रियाओं पर बुरा प्रभाव डालती है। उपरोक्त क्रियाओं में से कोई सी क्रिया भी नियमानुसार पूर्ण नहीं होती है जिससे उपज पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जैसे-

(i) बुवाई से पूर्व वर्षा से दोबारा जमीन तैयार करने में समय लग जाता है जिससे फसल देर से बोई जाती है।

(ii) बुवाई के तुरंत बाद वर्षा होने से बीज के जमीन में सड़ने का भय रहता है तथा जमीन की ऊपरी सतह सूखकर कठोर हो जाती है जिससे अंकुरण नहीं होता है।

(iii) कई बार असमय वर्षा से खेतों की निराई-गुड़ाई ठीक प्रकार से नहीं हो पाती है जिससे खरपतवार अधिक उग जाती है।

(i1) फसल की पकाई के समय की वर्षा कई बार फसल को नष्ट कर देती है तथा उसकी कटाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

(1) असमय वर्षा रबी तथा खरीफ की फसलों को खलियानों से उठाने में भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। कई बार तो उपज का काफी हिस्सा नष्ट हो जाता है।

पाले का प्रभाव - आमतौर पर पाला दिसंबर तथा जनवरी के महीनों में पड़ता है। उस समय रबी की फसलें खेतों में होती है। पाला पड़ने पर पेड़ पौधों की कोशिका का जल बर्फ में बदल जाता है जिससे पेड़ पौधों की कोशिकाएं फट जाती है (क्योंकि पानी जब बर्फ में परिवर्तित होता है तो उसके आयतन में 1/5 भाग की वृद्धि हो जाती है।) जिसके कारण पेड़-पौधे सूख जाते हैं।

ओलों का प्रभाव - मार्च-अप्रैल के महीनों में होने वाली वर्षा में अधिकतर ओले पड़ जाते हैं क्योंकि इस मौसम में जब वायुमंडल का ताप 0 हो जाता है तो वायुमंडल का जल बर्फ में परिवर्तित होकर ओलों के रूप में बरसने लगता है जिससे खड़ी फसलें नष्ट हो जाती है तथा जो फसलें पकी होती है उनके दाने खेतों में ही झड़ जाते हैं।

गर्म और तेज हवाओं का प्रभाव - मार्च-अप्रैल के माह में जब रबी की फसलों में दूध की स्थिति होती है तब दाने पकने से पूर्व गर्म तेज हवाओं के चलने से दानों का दूध सूख जाता है जिससे दानों का समुचित विकास नहीं हो पाता है तथा उपज कम हो जाती है।

फसलों पर मौसम का अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव

भारतवर्ष की अधिकांश भूमि पर असिंचित खेती होती है जहां पर फसल का पैदा होना या ना होना केवल प्रकृति पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त उन स्थानों पर भी जहां सिंचाई के साधन है, यदि मौसम फसलों के अनुकूल है तो अच्छी उपज होती है इसके विपरीत मौसम के प्रतिकूल दशाएं होने पर उपज अच्छी नहीं होती है। हमारे देश में मुख्यत: 3 ऋतुएँ ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद की होती हैं। इन ऋतुओं का मौसम भिन्न-भिन्न प्रकार का होता है। इसी आधार पर भारतवर्ष में मुख्यत: फसलों को भी जलवायु के आधार पर तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं-

खरीफ की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत मक्का, ज्वार, बाजरा, महुआ, उर्द, लोबिया, अरहर, ग्वार, तिल, मूंगफली, कपास, सनई तथा पटसन आदि की खेती होती है। इन फसलों की बुवाई के लिए वायुमंडल का ताप ऊंचा होना चाहिए तथा वृद्धि के लिए अच्छी नमी तथा अधिक समय तक धूप की आवश्यकता होती है।

अर्थात दिन बड़े होने चाहिए तथा फसलों की पकाई के समय कम समय तक धूप की आवश्यकता पड़ती है अर्थात दिन पहले से छोटे होने चाहिए। यही कारण है कि इस श्रेणी की फसलों का समय जून से अक्टूबर तक होता है।

रबी की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, रिजका, गोभी, गाजर, मूली, आदि की खेती की जाती है। इन फसलों की बुवाई के समय वायुमंडल में अच्छी नमी कम धूप तथा हल्की ठंड की आवश्यकता पड़ती है। पौधों की वृद्धि के लिए ठंडा वातावरण तथा कम समय के लिए प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है तथा फसलों की पकाई के लिए गर्म दिन तथा अधिक समय के लिए धूप की आवश्यकता पड़ती है।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव को दूर करने के उपाय -

फसलों को प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव से पूर्ण रूप से तो नहीं बचाया जा सकता है परंतु फिर भी बचाव के उपाय किए जाए तो फसलों को होने वाली हानि को काफी कम किया जा सकता है। फसलों को प्रतिकूल मौसम के कुप्रभाव से बचने के कुछ उपाय इस प्रकार हैं-

त्रुटियुक्त वर्षा के कुप्रभाव से फसलों की सुरक्षा-

त्रुटियुक्त वर्षा के अन्तर्गत वर्षा की तीन अवस्थायें - (i) अनावृष्टि, (ii) अतिवृष्टि, (iii) असमय वृष्टि आती हैं। इन तीनों अवस्थाओं से फसलों का बचाव निम्नलिखित उपायों से कर सकते हैं-

अनावृष्टि से फसलों की सुरक्षा -

अनावृष्टि की स्थिति में फसलों की सुरक्षा हेतु निम्नलिखित उपाय करने चाहिए -

01. जिन क्षेत्रों में अनावृष्टि (कम वर्षा) होती है वहां ऐसी फसलों की खेती करनी चाहिए जिनमें पानी की कम आवश्यकता होती है; जैसे - ज्वार, बाजरा, चना, सरसों, मूंगफली, आदि।

02. ऐसे क्षेत्रों में कम पानी चाहने वाली तथा कम समय में पकने वाली फसलें उगानी चाहिए और शुष्क खेती की विधि प्रयोग में लानी चाहिए। शुष्क खेती विधि के द्वारा ऐसे यंत्र का प्रयोग किया जाता है जिससे भूमि में पानी की अधिक से अधिक मात्रा बनी रहती है।

03. ऐसे क्षेत्रों में गर्मियों में जुताई अधिक की जाती है जिससे थोड़ी वर्षा होने पर भी जमीन में अधिक से अधिक नमी बनी रहती है।

04. ऐसे क्षेत्रों में खरीफ की फसल के बाद नमी को संरक्षित रखने के लिए जुताई के बाद पाटा अवश्य लगा देना चाहिए।

05. ऐसे क्षेत्रों में खरपतवार को नियंत्रित रखना चाहिए तथा मिश्रित फसलें उगानी चाहिए।

अतिवृष्टि से फसलों की सुरक्षा -अतिवृष्टि से फसलों की सुरक्षा निम्नलिखित उपायों के द्वारा की जा सकती है-

01. ऐसे क्षेत्रों में जहाँ अतिवृष्टि (अधिक वर्षा) होती है, खेतों से जलनिकासी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अधिक समय तक खेतों में पानी न भरा रहे।

02. ऐसे क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगानी चाहिए जिनमे जल की अधिक आवश्यकता होती है। जैसे - धान, गन्ना, आदि।

03. ऐसे क्षेत्रों में ऐसी फसलें (अगेती फसलें) उगानी चाहिए जो जल्दी पक जाती हैं तथा अतिवृष्टि से पूर्व ही उन्हें काटा जा सके।

04. जो खेत गहरे हों उनके जल पम्पिंग सेट की सहायता से निकाल देना चाहिए, जिससे पौधों की जड़े न गल पायें।

05. ऐसे क्षेत्रों में खरीफ की फसल काटने के बाद खेतों की उथली जुताई करके उन्हें खुला छोड़ देना चाहिए जिससे खेत जल्दी सूख सके।

असमय वृष्टि से फसलों की सुरक्षा -

असमय वृष्टि से फसलों की सुरक्षा के उपाय निम्नलिखित हैं -

01. यदि फसल बोने से पूर्व पलेवा के बाद वर्षा हो जाये तो खेत को कल्टीवेटर से जुताई करके छोड़ देना चाहिए जिससे खेत शीघ्र ही जुताई के लिए सूख जाये।

02. यदि खेत की बुवाई के एक-दो दिन बाद ही वर्षा हो गई है और खेत में पपड़ी जम गई है तो ऐसी स्थिति में खूंटीदार पटेला से पपड़ी तोड़ देनी चाहिए, जिससे पौधे अंकुरित होकर बाहर निकल जायें।

03. फसल पकने के पूर्व यदि वर्षा हो गई है तो खेत के जल की निकासी का प्रबन्ध करना चाहिए।

04. यदि फसल काटने के बाद वर्षा हो जाये तो फसल को ऊँचे स्थान पर इस प्रकार रखना चाहिए जिससे कि बालियाँ ऊपर की ओर रहें।

ढ़ींगरी मशरूम की खेती

ढ़ींगरी का भंडारण व उपयोग:

ढ़ींगरी की भंडारण अवधि वटन खुम्ब से ज़्यादा है इसके सामान्य तापमान पर 24-28 घंटे ताज़ा रखा जा सकता है। ढ़ींगरी को तोड़ने के पश्चात् इसे या ताज़ी अवस्था में ही बेच देते हैं या फिर इसे धूप में सुखा लेते हैं। ढ़ींगरी को सुखाने के लिए इसे धूप में दो या चार दिनों के लिए रखें। सूखे हुई ढ़ींगरी को पीस कर पाउडर भी बनाया जा सकता है। जिसका उपयोग बिस्कुट, बड़ियाँ, मशरूम सूप बनाने में किया जाता है। अधिक उत्पादन होने पर इसका आचार भी बनाया जा सकता है।

भारत प्राचीन काल से ही कृशि प्रधान देष है। यहाँ की जलवायु लगभग सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त है। इन फसलों से प्राप्त अवषेश, जैसे भुसा, बाजरा, गन्ना, पुआल आदि पयाप्त मात्रा में बच जाते हैं, जिनका उपयोग पशुओं के चारे के रूप में होता है। इसके बावजूद जो अवषेश बच जाते हैं उनका प्रयोग खुम्ब उत्पादन में किया जा सकता है। ढ़ींगरी की खेती बहुत ही आसान और कम खर्चीली है। इसीलिए यह गरीब किसानों के लिए उचित आय का साधन भी है।

ढ़ींगरी का आहार:

ढ़ींगरी का संतुलित आहार के रूप में बड़ा महश्व है। इसमें 17 से 38: प्रोटीन होती है। ढ़ींगरी के प्रोटीन में वे सभी अमिनो एसिड पाए जाते हैं जो मनुश्य के षरीरिक विकास के लिए अति आवष्यक हैं। लवण कैलाषियम फासफोरस, पोटाषियम, आयरन तथा ताँबा भी उचित मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त ढ़ींगरी में विटामिल 'बी' काम्पलैक्स तथा विटामिन 'सी' 80 से 14 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम में पाए जाते हैं। ढ़ींगरी का सेवन मधुमेह ह्रदय रोग व मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए उपयुक्त भोजन है। भारत में ढ़ींगरी की अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। जिसमं कुछ ग्रीश्मकालीन और षरदकालीन हैं। इन प्रजातियों की तापमान आवष्यकता निम्नलिखित रूप से दर्षाई गई है।

शरद कालीन प्रजापतियाँ क वक जाल फैलाव के लिए फ्लन के लिए

1.प्लूरोंटस औसट्रिरटस	25-30	20-22
2. प्लूरोंटस फ्लोरिडा	25-30	18-22

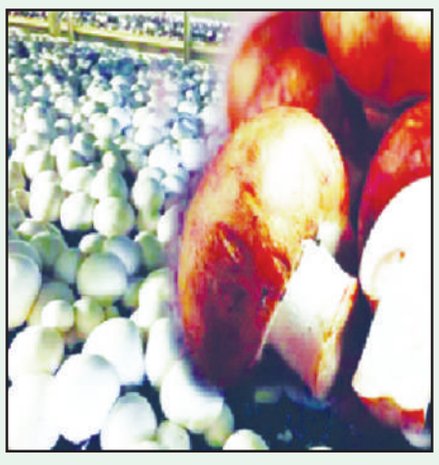

रसायनिक उपचार:

1. किसी ड्रम में 90 लीटर पानी लेकर 10 किलोग्राम भूसा डुबो लें।

2. इसके साथ ही एक बाल्टी में 125 मि लीटर फार्मलीन और 7.5 ग्राम वैविस्टीन को 10 लीटर पानी में मिला कर घोल बना लें।

3.बाल्टी में बनाए गए रसायनिक घोल को भूसे वाले ड्रम में उड़ेल दें तथा प्लास्टिक षीट से ढक दें।

4. 24 घंटे में बाद ड्रम को साफव पक्के फर्ष पर पलट दें ताकि भूसे से अतिरिक्त पानी निकल जाए और फार्मलीन की महक खत्म हो जाए इस प्रक्रिया में 1-1'' घंटे का समय लग जाता है। 10 किलो ग्राम सूखा भूसा उपचार के बाद लगभग 40 किलोग्राम हो जाता है।

बीजाई करने की विधि:

बीजाई करने से पहले बीजाई स्थल को अच्छी तरफसे फार्मलिन घोल से उपचारिक करें तथा बीजाई करने वाला श्रमिक भी अपने हाथों को साफ करें। इसके बाद उपचारित किए गए भूसे से 25-30 ग्राम प्रति किलो भूसे की दर से बीज मिलाते हैं इसे पालीथीन लिफाफे (18X24'') में भरते हैं तथा इसके बाद इनका मुँह अच्छी तरह से बंद करते हैं। इन लिफाफें के निचले कोनों को थोड़ा सा काट लें ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए। बीजित बैगों को उत्पादन कक्षा में रख दें। इस उत्पादन कक्ष में 24 घंटे पहले 2: फार्मलिन के घोल से छिड़काव किया जाता है। कमरे का तापमान बीजित की गई प्रजाति के अनुसार और नमी 80-85 प्रतिषत रखना चाहिए। बीजित बैगों में 10-15 पैंसिल की मोटाई के समान छेद कर दें ताकि पालीथीन के बैग के अन्दर ज्यादा गर्मी न हो जाए और साथ में ढ़ींगरी के बीज को फैलने के लिए आवष्यक आक्सीजन भी मिलती रहे। 15 से 20 दिन के पश्चात् जब ढ़ींगरी का सारे भूसे में अच्छी तरह फैल जाए तो पालीथीन के बैगों को काट कर या ऐसे ही निकाल लें और भूसे तथा ढ़ींगरी के बीज से बने ढेले को लकड़ी या बांस के बने प्रेम के उपर 8 से 12 ईन्च की दूरी पर रख दें और इस बात का ध्यान रखें कि कमरे का तापमान प्रजाति के अनुसार और नमी 80-90 प्रतिषत तक बनी रहे। कमरे में उचित नमी बनाए रखने के लिए ढेलों के उपर तथा फर्ष पर स्प्रे पप्प की सहायता से हल्के पानी का छिड़काव प्रतिदिन करते रहें। पोलीथीन के लिफाफे या बैग का निकालने के पश्चात् प्रतिदिन पानी के छिड़काव के 2-3 घंटे तक प्रकाष को कमरे में आने दें तथा ताजी हवा के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ भी खोल दें। जिस कमरे में प्रकाष न पहुँच सके उसमें बिजली का बल्व या टयूब को दे घण्टे तक जलता रखे।

ढ़ींगरी का अंकुरण तथा देखभाल:

पोलीथीन लिफाफे निकालने से 5 से 7 दिन पश्चात् ढेले में से अंकुरण निकलना षुरू हो जाते हैं और 3-5 दिन के अन्दर तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब ढ़ींगरी का आकार 8-12 से.मी. हो जाए तो उसे उंगलियों की सहायता से हल्का सा मरोड़ दे कर तोड़े ले। ढ़ींगरी के निकलने का क्रम लगभग 40-50 दिन तक 8-10 दिन के अंतराल पर चलता रहता है।

ढ़ींगरी की उपज:

यदि कमरे में उचित तापमान और नमी बनाए रखी जाए तो 10 किलो ग्राम सूखे भूसे से 8-9 किलो ग्राम ढ़ींगरी प्राप्त होगी।

आमदनी:

आमदनी की दृश्टि से ढींगरी मुनाफा देती है क्योंकि इसमें कम समय और धन लगता है एक किलोग्राम ढींगरी पैदा करने के लिए 10-15 रूप्ये का खर्च आता है और बाज़ार में यह 30-50 रूप्ये प्रति किलो के भाव से बिकती है, इस प्रकार प्रति किलोग्राम में 15-30 रूप्ये की आमदनी होती है।

ढ़ींगरी उगाने की विधि:

माध्यम का चुनाव: ढ़ींगरी को विभिन्न कृशि फसलों के अवषेशों पर आसानी से उगाया जा सकता है। इसके लिए अधिकतर भूसा या पुआल का इस्तेमाल किया जाता है।

माध्यम का उपचार: ढ़ींगरी में प्रयोग किए जाने वाले कृशि अवषेशों को हानिकारक जीवाणुओं से मुक्त करना पड़ता है। जिसके लिए चुने गए कृशि अवषेशों का रसायनिक विधिद्वारा उपचारित्र किया जाता है।

ढींगरी की भरपूर फसल लेने के उपाय:

1. रसायनिक विधि द्वारा माध्यम को उपचरित्र करें।

2. ढींगरी वाले कमरे को हमेषा स्वच्छ रखें तथा उसके बाहर भी गन्दगी को इक्ट्ठा न होने दें।

3. लिफाफे के निचले दोनों कोनों को 1'' काट दे ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल जाए।

4. तापमान और नमी को बनाए रखे।

5. ढींगरी को मुड़ने से पहले ही तोड़ लें।

6. जब फ्ल आना षुय होता है दीवारों और फर्ष पर 0.5 प्रतिषत मैलाथियान का स्प्रे कर दे ताकि किसी प्रकार का कीट हानिकारक सिद्ध न हो।

7. रोगी या किसी भी बीमारी वाले ब्लाक को कमरे से बाहर निकाल कर जमीन मं गाढ़ दें ताकि बीमारी न फैले।